UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

यंग भारत टेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-286 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 28 सितम्बर 2026 youngbharatepaper.com

खुशखबरी की घोषणा! यूपी में एकसाथ 5 बड़ी भर्ती शुरू, तुरंत करें आवेदन

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक साथ कई भर्तियों के मौके सामने आए हैं। शिक्षा विभाग और यूपीएसएसएसी की 5 अलग-अलग भर्तियों में हजारों पद शामिल हैं। इनमें शिक्षक, जूनियर इंजीनियर, पशुधन प्रसार अधिकारी और वेटरिनरी फार्मासिस्ट के पद हैं। इच्छुक उम्मीदवार आवेदन की अंतिम तारीख से पहले संबंधित आधिकारिक वेबसाइट पर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

यूपीईएसएससी ने प्रवक्ता यानी PGT के 2,607 पदों के लिए भर्ती निकाली है। आवेदन की प्रक्रिया 18 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। उम्मीदवारों की आयु 21 से 62 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। यूपीएसएसएसी की ओर से 134 जूनियर इंजीनियर पदों पर भर्ती की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 17 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक किए जा सकेंगे। आवेदन यूपीएसएसएसी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम

12,405 प्राथमिक सहायक शिक्षक

शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी भर्ती है। यूपीईएसएससी ने 12,405 प्राथमिक सहायक शिक्षक पदों का नोटिफिकेशन जारी किया है। आवेदन 16 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वीकार किए जाएंगे।

4. 1,308 वेटरिनरी फार्मासिस्ट पद

पशुपालन विभाग में 1,308 वेटरिनरी फार्मासिस्ट पदों पर मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसमें वही अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं जिन्होंने दिया है और उनके पास वैध स्कोर कार्ड है। आवेदन की अवधि 14 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक है। यूपीएसएसएसी ने 1,251 Livestock E&tension Officer पदों के लिए भी भर्ती निकाली है। ऑनलाइन आवेदन 9 सितंबर से 29 सितंबर 2026 तक किए जा सकते हैं। इसमें उम्मीदवारों की आयु 21 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। इन सभी भर्तियों में योग्यता, आयु सीमा, आवेदन शुल्क और अन्य शर्तें अलग-अलग हैं। इसलिए आवेदन करने से पहले संबंधित आधिकारिक नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ना जरूरी है। अंतिम तारीख का इंतजार किए बिना पात्र उम्मीदवार आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें।

दिल्ली में पकड़ी गई नकली रेबीज वैक्सीन कानपुर से भेजी गई थी, दो दवा एजेंसी मालिकों पर एफआईआर, आगरा से गायब 500 वैक्सीन की तलाश

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर : दिल्ली में पकड़ी गई नकली एंटी रेबीज वैक्सीन मामले में कानपुर कनेक्शन भी सामने आया है. कानपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो दवा एजेंसियों के मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है. दिल्ली में नकली वैक्सीन मिलने और उसकी सप्लाई कानपुर से होने की पुष्टि के बाद ड्रग विभाग की पड़ताल में दोनों एजेंसियों के बिलों में खरीद-बिक्री को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. देर रात ड्रग इंस्पेक्टर की शिकायत पर कलक्टरगंज थाना पुलिस ने दोनों एजेंसियों के मालिकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल सिंह और देवयानी दुबे की टीम ने शनिवार को बिरहाना रोड स्थित बलजीत कौर पत्नी राजेंद्र सिंह की 'न्यू आरजे एजेंसी' और एक्सप्रेस रोड पर तरनदीप सिंह की 'एलेक्जर क्योर एजेंसी' में पूरे दिन छापेमारी कर कागजातों की जांच की. जांच में पता चला कि न्यू आरजे एजेंसी ने जिस बिल नंबर पर एलेक्जर क्योर एजेंसी से एंटी रेबीज वैक्सीन खरीदना दिखाया था, उसी समान बिल नंबर पर एलेक्जर क्योर एजेंसी ने न्यू आरजे एजेंसी को रेबीज वैक्सीन के बजाय कोई दूसरी वैक्सीन बेचना दर्ज किया था. बिल पर एंटी रेबीज वैक्सीन बेची ही नहीं गई थी, जबकि न्यू आरजे एजेंसी उसी बिल पर उसकी खरीद दिखा रही थी. जाली बिलों के जरिए किए गए इस हेरफेर को देखकर अधिकारी दंग रह गए. एडीएम सिटी सौरभ सिंह ने बताया कि नकली एंटी रेबीज वैक्सीन को लेकर दो एजेंसियों की भूमिका संदिग्ध मिली है. दोनों एजेंसियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर को भेजा गया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी. वहीं कलक्टरगंज थाना प्रभारी ने बताया कि ड्रग इंस्पेक्टर की तहरीर पर दोनों एजेंसियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस की टीम पूरे मामले की जांच करके आगे की कार्रवाई कर रही है. इसके अलावा आगरा भेजी गई करीब 500 नकली वैक्सीन की सप्लाई को लेकर बड़ा सस्पेंस बना हुआ है. जांच में सामने आया कि न्यू आरजे एजेंसी में नकली पाए गए बैच की एंटी रेबीज वैक्सीन आगरा की एक फर्म को भेजी थी, लेकिन आगरा की फर्म ने माल लेने से साफ इनकार कर दिया और उसे ट्रांसपोर्ट से उठाया ही नहीं. आगरा से वापस लौटाई गई करीब 500 वैक्सीन की यह खेप अब तक न्यू आरजे एजेंसी के पास नहीं पहुंची है. ड्रग विभाग की टीम इस रहस्यमयी और लापता माल को तलाशकर सीज करने की कोशिश में जुटी हुई है.

समय है, खुद पार्टी छोड़कर चले जाओ' बीजेपी के संपर्क वाले नेताओं पर बरसे अखिलेश

(यंग भारत न्यूज)

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन नेताओं को एक बेहद कड़ा और साफ संदेश दे डाला है, जो कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ संपर्क में चल रहे हैं।

अखिलेश ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि जिन नेताओं के मन में पार्टी छोड़ने का विचार चल रहा है, उनके पास अभी भी पूरा समय है और वे खुद अपनी मर्जी से पार्टी छोड़कर जा सकते हैं। सपा प्रमुख के इस तल्ख तेवर से पार्टी के भीतरखाने मचे घमासान और संभावित दलबदल को लेकर सियासी गलियारों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। अखिलेश ने यह भी जता दिया है कि पार्टी लीडरशिप की नजर हर गतिविधि और नेता की हर चाल पर पूरी तरह से बनी हुई है।सिर्फ बागी तेवर वाले नेताओं को ही नहीं, बल्कि न्यूज चैनलों की डिबेट में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रवक्ताओं को भी अखिलेश यादव ने कड़ी नसीहत दी है। बंद कमरे में हुई खास बैठक के दौरान सपा अध्यक्ष ने प्रवक्ताओं को साफ निर्देश दिया कि वे अब बिना पूरी तैयारी के किसी भी बहस में पार्टी का पक्ष बिल्कुल न रखें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अखिलेश ने बैठक में यह भी कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया की महज 10 सेकंड की एक रील से ही किसी भी पार्टी की छवि पलभर में बनती और बिगड़ जाती है। इसलिए टीवी बहसों में उतरने वाले प्रवक्ताओं को हवा-हवाई बातें करने के बजाय ठोस फैक्ट्स और पुख्ता तर्कों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी सामने आई है कि इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान टीवी डिबेट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, जनता के बीच पार्टी की छवि और आने वाले चुनावी मुद्दों पर प्रवक्ताओं की भूमिका को लेकर बेहद विस्तार से चर्चा की गई। अखिलेश यादव ने अपने सभी प्रवक्ताओं को चेताया कि वे किसी भी विरोधी दल के नेगेटिव एजेंडे और जाल में फंसने से बचें। किसी भी ज्वलंत मुद्दे पर बोलने से पहले उसकी पूरी और सटीक जानकारी जुटाना बहुत जरूरी है, क्योंकि बिना तैयारी के टीवी स्टूडियो में जाना पार्टी के लिए भारी नुकसान का सौदा साबित हो सकता है। अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के प्रवक्ताओं को यह भी समझाया कि धर्म और जाति जैसे बेहद संवेदनशील मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बोलते समय विशेष सावधानी और संयम बरतना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि हर छोटी-बड़ी बात या मुद्दे पर बोलना बिल्कुल भी जरूरी नहीं है, बल्कि कई बार समझदारी दिखाते हुए चुप रहना भी पार्टी के हित में बेहतर साबित होता है। बिना किसी का नाम लिए अखिलेश ने इशारों-इशारों में साफ कर दिया कि उन्हें अच्छी तरह पता है कि कौन-कौन भीतरखाने क्या कर रहा है। उत्तर प्रदेश में होने वाले अगले साल के विधानसभा चुनावों को देखते हुए सपा अध्यक्ष का यह सख्त रुख पार्टी को मजबूत करने और अनुशासन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मन ही मन किसे पसंद करती थी दुर्योधन की पत्नी, पति की मृत्यु के बाद कर ली उसी से शादी....

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

कहा जाता है कि दुर्योधन से शादी होने से पहले उसकी पत्नी भानुमति किसी को मन ही मन चाहती थी. उससे शादी भी करना चाहती थी लेकिन ऐसा हो नहीं सका. लेकिन साफ्ट कॉर्नर तो बना ही रहा. जब महाभारत के युद्ध में दुर्योधन की मृत्यु हो गई तो उसने उसी शख्स से शादी कर ली, जिसे वह मन ही मन चाहती थी.

दुर्योधन की पत्नी अतीव सुंदरी थी. बुद्धिमान थी. शादी से पहले वह जिस पुरुष से वह शादी करना चाहती थीं, जिसे पसंद करती थीं, वैसा वह नहीं कर पाईं. समय ने उन्हें दुर्योधन की पत्नी बना दिया. नाम था भानुमति. युद्ध में पति के मारे जाने के बाद जीवन ने उनके सामने फिर एक रास्ता खोला. वह जिसे चाहती थीं. उसे पति बनाने का मौका मिला. और ये शख्स एक पांडव था. कौरवों का प्रबल शत्रु

महाभारत के मुख्य पात्र दुर्योधन के बारे में बहुत लिखा और कहा गया है लेकिन क्या आपको मालूम है कि उनकी पत्नी कौन थी, जिसे वह बहुत प्यार करते थे. उसका महाभारत के युद्ध में पति समेत कौरवों की मृत्यु के बाद क्या हुआ. दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था, जो अपूर्व सुंदरी थी आंचलिक कथाओं में ये कहा गया कि जब दुर्योधन नहीं रहा तो भानुमति ने अर्जुन से विवाह कर लिया. कहा जाता है कि दुर्योधन से विवाह करने से पहले वह मन ही मन अर्जुन को चाहती थीं. हालांकि अर्जुन से विवाह के कोई पुख्ता साक्ष्य महाभारत या उसकी उत्तर कथा वाले ग्रंथों में नहीं मिलते. महाभारत के मुताबिक दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था. महाभारत में दुर्योधन की पत्नी का तीन बार ज़िक्र मिलता है. शांति पर्व में बताया गया है कि दुर्योधन ने कर्ण की मदद से राजा चित्रांगद की बेटी भानुमति का स्वयंवर से अपहरण करके विवाह कर लिया था. बाद में, स्त्री पर्व में भी दुर्योधन की सास गांधारी ने भानुमति का ज़िक्र किया है. भानुमती के एक बेटा और एक बेटी थी शांति पर्व में ऋषि नारद दुर्योधन और कर्ण की मित्रता के बारे में एक कहानी सुनाते हुए बताते हैं कि किस तरह कर्ण की मदद से दुर्योधन ने कलिंग राजा चित्रांगद की बेटी का अपहरण कर शादी की थी. भानुमति के बारे में उल्लेख हुआ है कि वह ताजिंदगी कृष्ण की पूजा करती रही. बेशक उसके पति दुर्योधन ने कई बार कृष्ण को खरीखोटी सुनाई, अपमान भी किया लेकिन भानुमति के लिए वह हमेशा आराध्य रहे. यहां तक कि पति के निधन के बाद भी वह उनकी भक्त बनी रही भानुमति के बारे में उल्लेख किया गया है कि वह ताजिंदगी कृष्ण की पूजा करती रही. बेशक उसके पति दुर्योधन ने कई बार कृष्ण को खरीखोटी सुनाई, अपमान भी किया लेकिन भानुमति के लिए वह हमेशा आराध्य रहे. यहां तक कि पति के निधन के बाद भी वह उनकी भक्त बनी रही. महाभारत के स्त्री पर्व में दुर्योधन की मां गांधारी , कृष्ण से अपनी पुत्रवधू का वर्णन इस प्रकार करती हैं. भानुमति के बेटे का नाम लक्ष्मण था, जो खुद महाभारत के युद्ध में मारा गया. बेटी का नाम लक्ष्मणा था गांधारी कृष्ण से कहती हैं, हे कृष्ण! देखो, ये दृश्य मेरे पुत्र की मृत्यु से भी अधिक दु:खदायी है. दुर्योधन की प्रिय पत्नी महाबुद्धिमान कन्या है, देखो वह कैसे अपने पति और बेटे के लिए विलाप कर रही है. अब सवाल ये उठता है कि भानुमति ने पति दुर्योधन के सबसे बड़े दुश्मन पांडु पुत्र अर्जुन से क्यों विवाह कर लिया. भानुमति जितनी रूपवती थी, उतनी ही चतुर भी. कहा जाता है कि जब महाभारत का युद्ध तय हो गया, तब भानुमति को पता था कि कौरवों का सर्वनाश हो जाएगा. अपने कुनबे को बचाने के लिए उसने ही भगवान श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब को अपनी पुत्री लक्ष्मणा को भगाकर ले जाने की युक्ति सुझाई

एक अन्य कथा के अनुसार साम्ब जब लक्ष्मणा का अपहरण कर फरार हो गया तो भानुमति ने दुर्योधन को अपने अपहरण की याद दिलाई और साम्ब से लक्ष्मणा के विवाह में अहम भूमिका निभाई. भानुमति ने अपने कुनबे को बचाने के लिए हर वो असंगत कार्य किया, हर उस चीज को जोड़ा, जिसका जुड़ना संभव नहीं था. इसीलिए कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा. संबंधित कहावत बनी पुत्र की मृत्यु से लक्ष्मणा को गहरा झटका लगा था, महाभारत के युद्ध में अभिमन्यु के हाथों दुर्योधन के पुत्र की मृत्यु हुई थी. इसके बाद भी भानुमति को मालूम था कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए अर्जुन से विवाह कर लेना चाहिए. भगवान कृष्ण ने इसमें खास भूमिका अदा की. उन्होंने अर्जुन और भानुमति का विवाह कराया

इसके पीछे एक कहानी और कही जाती है कि भानुमती शल्य की बेटी थी, जो नकुल और सहदेव के चाचा थे. वह पहले अर्जुन से ही शादी करना चाहती थी. जब स्वयंवर हुआ तो अर्जुन उसमें आए ही नहीं, तब उसने पिता की इच्छा थी कि वह दुर्योधन से शादी करे तो उसने वैसा ही किया लेकिन पति के निधन के बाद अर्जुन की नौवीं पत्नी बनना पसंद किया.इसकी वजह ये भी थी कि अब कोई लड़ाई नहीं हो और कुनबे में शांति बनी रहे.महाभारत में युद्ध के बाद की उत्तर कथा ज्यादा नहीं मिलती, लिहाजा किसी बड़े ग्रंथ में अर्जुन और भानुमति के विवाह की कोई जानकारी नहीं मिलती. लेकिन ये बात एकदम तय है कि महाभारत युद्ध में भीम के हाथों दुर्योधन की मृत्यु के बाद पांडवों ने भानुमति का सम्मान किया. वह अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित थी. उसने कौरव और पांडव परिवारों को एकजुट करने की कोशिश की. कुछ जानकारियां ये भी कहती हैं कि वह पति के निधन के बाद विधवा रहीं. कथाएं ये भी कहती हैं कि भानुमति ने अपने ससुराल में रहकर धृतराष्ट्र की सेवा की. धृतराष्ट्र के साथ गंगा नदी के किनारे रहकर तपस्या की.बाद में भानुमति ने गंगा में समाधि ले ली. एक तमिल लोककथा है, जिसमें बताया गया कि दुर्योधन के कहने पर कर्ण अक्सर भानुमति की देखभाल के लिए उसके पास आ जाता था. कर्ण और भानुमती ने पासा खेलना शुरू किया. धीरे-धीरे कर्ण जीतने लगा. इसी बीच दुर्योधन लौटा. कमरे में प्रवेश किया. पति को अंदर आते देख भानुमती सम्मान से खड़ी हो गई. कर्ण को पता नहीं लगा. उसको लगा कि भानुमति इसलिए उठ गई क्योंकि हारना नहीं चाहती. कर्ण ने भानुमती की शॉल पकड़कर खींचा तो शॉल के मोती बिखर गए. इससे भानुमति की स्थिति बहुत विचित्र हो गई, वह स्तब्ध हो गई कि अब पति पता नहीं क्या सोचेगा और करेगा. तब दुर्योधन ने समझदारी का परिचय देते हुए दोनों को अप्रिय स्थिति से बचा लिया. उसने पत्नी से कहा, 'क्या मुझे सिर्फ मोतियों को इकट्ठा करना चाहिए या क्या आप चाहेंगी कि मैं उन्हें भी पिरोऊँ?' दरअसल दुर्योधन को अपनी पत्नी पर बहुत विश्वास था. शिवाजी सावंत के उपन्यास मृत्युंजय में , जो कर्ण के जीवन पर आधारित है, उसमें लिखा है कि भानुमती की एक दासी थी जिसका नाम सुप्रिया था, जो उसके बहुत करीब थी. जब दुर्योधन और कर्ण ने भानुमती का अपहरण किया तो सुप्रिया भी साथ चली आई. जब भानुमती ने दुर्योधन को अपना जीवनसाथी स्वीकार कर लिया तो सुप्रिया ने कर्ण को पति चुना. हालांकि सुप्रिया ने कर्ण के युद्ध में वीरगति प्राप्त करने के बाद ताजिंदगी विधवा रहने का ही फैसला किया. हालांकि उसे भी दूसरा विवाह कर लेने की सलाह दी गई थी.

नाबालिग के गर्भवती होने पर शुरू हुई जांच, हुआ ऐसा खुलासा, पुलिस भी हैरान.

(यंग भारत न्यूज)

महासमुंद में एक नाबालिग लड़की के गर्भवती होने के बाद ऐसा खुलासा हुआ कि पुलिस भी देखकर हैरान हो गई। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, पुलिस को मानव तस्करी के कथित सुराग मिले हैं।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद से मानव तस्करी के कथित काले नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। आरोप है कि गरीब और जरूरतमंद मजदूर परिवारों को पहले एडवांस रकम का लालच दिया जाता था, फिर उन्हें कर्ज के जाल में फंसाकर दूसरे राज्यों के ईंट भट्ठों तक भेजा जाता था। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब एक 15 वर्षीय नाबालिग के गर्भवती होने की जानकारी सामने आई। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग को परिवार के साथ उत्तर प्रदेश के एक ईंट भट्ठे पर भेजा गया था, जहां उसके शारीरिक शोषण का आरोप सामने आया। जांच आगे बढ़ी तो महासमुंद से ओडिशा और देश के कई राज्यों तक मजदूरों की आवाजाही से जुड़े कथित नेटवर्क के सुराग मिले। महासमुंद पुलिस ने इस मामले में 10 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 1 करोड़ 48 लाख 54 हजार 750 रुपये नकद, मजदूर पलायन से जुड़े रजिस्टर-डायरी, मोबाइल फोन, बैंक दस्तावेज और अन्य

सामग्री जब्त की है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूरे मामले की शुरुआत 21 सितंबर को मिले एक अस्पताल मेमो से हुई। पुलिस के मुताबिक, एक नाबालिग के शारीरिक शोषण और गर्भवती होने की जानकारी सामने आने के बाद जांच शुरू की गई। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, पुलिस को ऐसे नेटवर्क के कथित सुराग मिले, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को एडवांस रकम देकर दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिए भेजे जाने का आरोप है। आरोप है कि एडवांस रकम के बाद परिवारों पर कर्ज का दबाव बनाया जाता था और फिर उन्हें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, गुजरात समेत दूसरे राज्यों के ईंट भट्ठों तक भेजा जाता था। खुलासे पर पुलिस भी हैरान पुलिस के मुताबिक, मजदूरों को ईंट भट्ठों तक पहुंचाने के बाद उनसे लगातार काम कराया जाता था। यानी पहले जरूरत का फायदा उठाकर एडवांस रकम...फिर कर्ज का दबाव...और उसके बाद मजदूरी के नाम पर कथित बंधुआ मजदूरी। इसी नेटवर्क में नाबालिगों के शोषण का गंभीर आरोप भी सामने आया है। सबसे गंभीर मामला एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, नाबालिग को भी उसके परिवार के साथ उत्तर प्रदेश के एक ईंट भट्ठे पर भेजा गया था। आरोप है कि वहां उससे उसकी उम्र और क्षमता के विपरीत मजदूरी कराई गई। इसी दौरान भट्ठे के एक जेसीबी चालक पर नाबालिग के शारीरिक शोषण का आरोप सामने आया। नाबालिग के गर्भवती होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और यहीं से कथित मानव तस्करी के बड़े नेटवर्क की जांच शुरू हुई। इसके बाद महासमुंद पुलिस ने ओडिशा तक फैले कथित नेटवर्क पर एक साथ कार्रवाई की। क्या क्या मिले सबूत पुलिस ने महासमुंद और ओडिशा में 10 ठिकानों पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस ने 1 करोड़ 48 लाख 54 हजार 750 रुपये नकद, मजदूर पलायन के रजिस्टर और डायरी, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, मॉर्टगेज स्टांप दस्तावेज और नोट गिनने की मशीन बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, इन दस्तावेजों में दूसरे राज्यों में मजदूरों को भेजे जाने से जुड़े रिकॉर्ड मिले हैं।इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, थाना खल्लारी में अपराध क्रमांक 104/2026 दर्ज किया गया है। विवेचना के दौरान ब्न्हस्‌ की धारा 111 के तहत संगठित अपराध से जुड़ा प्रावधान भी जोड़ा गया है। पुलिस अधीक्षक, महासमुंद, प्रभात कुमार ने कहा, अब पुलिस की जांच सिर्फ पांच गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं है। पुलिस आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी सीडीआर, बैंक खातों और बरामद दस्तावेजों की जांच कर रही है।

अलग हुए तो जान दे देंगे', कोटा में साथ रहने पर अड़ी दो युवतियां, परिवार ने किया विरोध तो खाया जहर.

(यंग भारत न्यूज)

जयपुर। राजस्थान के कोटा जिले में दो महिलाओं के बीच अफेयर की बात सामने आई है। दोनों लड़की करीब तीन साल से एक दूसरे को जानती हैं जिसके बाद उनकी दोस्ती गहरे प्यार में बदल गई।

दोनों महिलाएं परिवार के विरोध के बावजूद साथ रहना चाहती हैं।

परिवारों के विरोध के बाद करीब पांच महीने पहले दोनों महिलाएं घर छोड़कर सवाई माधोपुर चली गईं। वहां उन्होंने कमरा किराए पर लेकर साथ रहना शुरू किया। परिवारों ने उन्हें संपर्क किया और वापस कोटा बुला लिया। घर छोड़ने के बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। मंगलवार को दोनों महिलाओं को बोरखेड़ा पुलिस थाने लाया गया। रिश्तेदार और पुलिस ने उन्हें अलग होने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने साफ कहा कि वे एक-दूसरे से प्यार करती हैं और जीवन भर साथ रहना चाहती हैं।बोरखेड़ा सर्कल इंस्पेक्टर अजीत बागडोलिया के अनुसार दोनों महिलाएं वयस्क हैं। पुलिस ने उनके बयान दर्ज किए और उन्हें जाने की अनुमति दी। वहीं, परिवार वालों ने साथ रहने से साफ इनकार दिया था जिसके बाद दोनों महिलाओं ने कीटनाशक पी लिया, स्वास्थ्य बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुरू में हालत गंभीर नहीं थी, लेकिन बाद में बिगड़ गई। उन्हें कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान भी दोनों ने साथ रहने की इच्छा दोहराई। डॉक्टर उनकी हालत पर नजर रखे हुए हैं। दोनों महिलाएं कोटा जिले के अलग-अलग गांवों की रहने वाली हैं। एक डिगोद क्षेत्र के गांव से हैं, दूसरी सिमलिया के पास के गांव से। पुलिस परिवार और महिलाओं से जानकारी जुटा रही है। घटनाक्रम की जांच जारी है। चूंकि दोनों वयस्क हैं, इसलिए उनके बयान और इच्छा को भी ध्यान में रखा जा रहा है। अभी दोनों महिलाएं अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में हैं। परिवार का विरोध जारी है, जबकि महिलाएं अपने फैसले पर अड़ी हुई हैं।

जिस पेशाब को हम नाली में बहाते हैं वो उगल सकता है सोना, जानिए कैसे बदलेगी हमारी पूरी दुनिया?

(यंग भारत न्यूज)

दुनिया भर में इस समय फर्टिलाइजर के दाम आसमान छू रहे हैं. खेतों में केमिकल खाद डालने से मिट्टी लगातार बंजर होती जा रही है. ऐसे गंभीर संकट के दौर में पूरी दुनिया एक हैरान करने वाले समाधान की तरफ देख रही है.वैज्ञानिक अब इंसानी यूरिन को लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना बता रहे हैं. एक आम इंसान हर साल लगभग 500 लीटर यूरिन पैदा करता है. इसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे बेहद कीमती पोषक तत्व पाए जाते हैं. ये तीनों तत्व फसलों के बेहतर विकास के लिए सबसे ज्यादा जरूरी माने जाते हैं. दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी आज केमिकल खाद से उगे अनाज पर निर्भर है. लेकिन युद्ध और ग्लोबल संकट के चलते यह खाद बहुत महंगी हो चुकी है. इसी वजह से अब पीसाइक्लिंग का नया दौर शुरू हो रहा है. इंसानी यूरिन को प्रोसेस करके खेतों के लिए बेहतरीन खाद में बदला जा रहा है.

हर दिन हम जिस यूरिन को फ्लश करके बहा देते हैं वो असल में पोषक तत्वों का खजाना है. हमारा शरीर भोजन से जरूरी पोषण सोखने के बाद बाकी बचे तत्वों को यूरिन के रास्ते बाहर निकाल देता है. वैज्ञानिक रिसर्च बताती है कि घर से निकलने वाले कुल गंदे पानी में यूरिन का हिस्सा केवल एक प्रतिशत होता है. लेकिन इस छोटे से हिस्से में पूरे सीवेज का लगभग

सारा नाइट्रोजन मौजूद होता है.इसके साथ ही इसमें सीवेज का आधा फास्फोरस भी पाया जाता है. पौधों को तेजी से बढ़ने और हरा-भरा रहने के लिए सबसे ज्यादा नाइट्रोजन की जरूरत होती है. फास्फोरस पौधों की जड़ों को मजबूत बनाता है और पोटेशियम उन्हें बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है. जब हम इसे साधारण सीवेज में मिला देते हैं तो ये सारे कीमती तत्व बेकार पानी में घुल जाते हैं. फिर उन्हें अलग करना बहुत ज्यादा मुश्किल और खर्चीला हो जाता है. अगर इस यूरिन को सीधे अलग कर लिया जाए तो यह किसी भी केमिकल खाद से बेहतर काम कर सकता है. यूरिन को खाद की तरह इस्तेमाल करने का यह विचार कोई बिल्कुल नया नहीं है. हजारों साल पहले प्राचीन ग्रीस, रोम और चीन की पुरानी सभ्यताओं में इसका खूब इस्तेमाल होता था. उस दौर में आधुनिक टॉयलेट और पाइपलाइन सिस्टम मौजूद नहीं थे. लोग अपने घरों में बर्तनों और गड्ढों में यूरिन जमा करते थे. शहरों में रात के समय कर्मचारी घर-घर जाकर इस इंसानी कचरे को इकट्ठा करते थे. इसे उस जमाने में नाइट सॉइल कहा जाता था. इसके बाद इस खाद को गाड़ियों में लादकर दूर देहात के खेतों में पहुंचाया जाता था. उन्नीसवीं सदी में जब आधुनिक सीवेज सिस्टम बना तो बीमारियों में भारी कमी आई. लेकिन इस बदलाव ने इंसानी सोच को पूरी तरह बदल दिया. लोग जिस यूरिन को अनमोल संसाधन मानते थे उसे अचानक केवल गंदगी समझा जाने लगा. बाद के दौर में पक्षियों की बीट यानी गुआनो से खाद बनाने की होड़ मची. जब वह प्राकृतिक भंडार खत्म होने लगा तो वैज्ञानिकों ने लैब में केमिकल खाद बनाने की नई राह खोज ली. बीसवीं सदी की शुरुआत में वैज्ञानिकों ने हैबर-बॉश प्रोसेस के जरिए सिंथेटिक नाइट्रोजन फर्टिलाइजर तैयार किया. इस आविष्कार ने फसलों की पैदावार को कई गुना बढ़ा दिया. लेकिन इस केमिकल खाद ने पर्यावरण के सामने बहुत बड़ा संकट भी खड़ा कर दिया है. नाइट्रोजन खाद बनाने के लिए बहुत भारी मात्रा में नेचुरल गैस और ऊर्जा जलानी पड़ती है. इससे हवा में भारी कार्बन उत्सर्जन होता है. वहीं दूसरी तरफ सिंथेटिक फास्फोरस बनाने के लिए फास्फेट चट्टानों का खनन किया जाता है. दुनिया में यह खनिज बहुत सीमित जगहों पर ही बचा है. मोरक्को के कब्जे वाले पश्चिमी सहारा में इसके सबसे बड़े भंडार मौजूद हैं. जब किसान खेतों में बहुत ज्यादा केमिकल खाद डालते हैं तो उसका बड़ा हिस्सा बारिश के पानी में बहकर नदियों और झीलों में चला जाता है. वहां जाकर यह केमिकल जहरीले शैवाल पैदा करता है. पानी में ऑक्सीजन खत्म होने से लाखों मछलियां तड़पकर मर जाती हैं. यह सिलसिला पूरी जलीय व्यवस्था को बर्बाद कर रहा है. मौजूदा समय में दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव और लड़ाइयों ने सप्लाई चेन को तोड़ दिया है. हालिया युद्धों के कारण फर्टिलाइजर के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुके हैं. कई देशों के लिए अब बाहर से महंगी खाद मंगाना आसान नहीं रह गया है.

कोई सुरक्षित नहीं, सरकार का हिस्सा बनकर शर्म आती है; एक के बाद एक घटना से भड़के चिराग पासवान

(यंग भारत न्यूज)

कुछ दिनों से बिहार में महिलाओं के प्रति अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं। बिहार के अलग-अलग जिलों से ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें अपराधियों ने महिला सुरक्षा के दावों को पोल खोल दी है और इन तस्वीरों से राज्य की छवि को भी झटका लगा है।राज्य में एक के बाद एक हो रही घटनाओं से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भड़क गए हैं। चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) राज्य की एनडीए सरकार की सहयोगी है। लेकिन बिहार में अपराध की घटनाओं से दुखी चिराग पासवान ने कहा है कि उन्हें इस सरकार का सहयोगी होने पर शर्म आती है। एलजेपी (आर) सुप्रीमो चिराग पासवान ने यह भी कहा कि आज राज्य में कोई सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।

जब चिराग पासवान से पूछा गया कि क्या वो कोई कड़ा फैसला लेंगे ? तब इसपर भी चिराग पासवान ने अपनी बात रखी है। इस इंटरव्यू में चिराग पासवान ने बिहार में बढ़ते अपराध पर कहा कहा, ' आज की तारीख में कोई सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रहा है। ये हमारी सरकार की चिंता है। सरकार में एक सहयोगी या हिस्सा होने की वजह से मैं खुद इस सवाल से नहीं भाग सकता हूं। मुझे खुद शर्मिंदगी महसूस होती है कि मैं ऐसी सरकार के साथ हूं जहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं। इसको हमलोग कतई हल्के में नहीं ले सकते हैं।'इसके बाद उनसे पूछा गया कि चिराग पासवान कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं क्या ? इस सवाल के जवाब में चिराग पासवान ने कहा, ' मैं आक्रोशित हूं, स्वभाविक है। राष्ट्रीय स्तर पर मेरे बिहार की छवि कैसी जा रही है। हमारी बेटियों के मन में डर और असुरक्षा का भाव उत्पन्न हो गया होगा। कोई बच्ची मुझे बता दीजिए जो शाम को घर से निकले से पहले नहीं सोचती होगी। मैं जिस सरकार का हिस्सा हूं, मेरी वो सरकार अगर सुरक्षा की भावना ना दे, ये तो मैं स्वीकार नहीं करूंगा।'बता दें कि कुछ दिनों पहले जमुई जिले का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में कुछ हवसी एक नाबालिग लड़का और लड़की से बदसलूकी करते नजर आए थे। इतना ही नहीं सड़क पर लड़की के साथ यह हवसी बेहद ही शर्मनाक हरकत करते नजर आ रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद हड़कंप मच गया था। हालांकि, बाद में पुलिस ने इस कांड में शामिल आरोपियों को पकड़ा था। लेकिन इसके बाद समस्तीपुर, बांका समेत कुछ अन्य जिलों से भी ऐसी ही तस्वीरें सामने आईं जिसने महिला अपराध के दावों को पोल खोल दी थी। इसके बाद विपक्षी पार्टियों ने एक सुर में सम्राट सरकार को घेरा था और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखे सवाल किए थे। अब चिराग पासवान भी इन घटनाओं से नाराज नजर आ रहे हैं।

प्राइवेट पार्ट कटने के बाद न चीखा, न रोया! प्रेमानंद के शिष्य की खौफनाक मौत पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने चौंकाया

(यंग भारत न्यूज)

मथुरा के वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य की संदिग्ध हालात में हुई मौत से सनसनी फैल गई है। केली कुंज आश्रम के पास स्थित 'गुरु कृपा कुंज' भवन में रहने वाले रसिक दुलारी शरण (दीपक पटेल) की चौथी मंजिल से गिरकर जान चली गई।

जबलपुर के रहने वाले रसिक दुलारी शरण की मौत महज एक हादसा या खुदकुशी नहीं लग रही, बल्कि इसके पीछे की वजहों ने पुलिस और डॉक्टरों को भी सोच में डाल दिया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि छत से छलांग लगाने से ठीक पहले उन्होंने इलेक्ट्रिक ग्राइंडर से अपना ही प्राइवेट पार्ट काट लिया था। इतनी भयावह पीड़ा के बाद भी न वो चीखा और न रोया। आसपास के लोगों के रोने और चीखने-चिल्लाने की कोई आवाज नहीं सुनी। अब उसका पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आ गया है। पुलिस को आश्रम से जो सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, वे किसी का भी दिमाग सुन्न कर सकते हैं। फुटेज में दिख रहा है कि रसिक दुलारी शरण अपने कमरा नंबर 21 से बाहर निकलते हैं। उस समय वह एक खून से सनी धोती लपेटे हुए थे और दूसरी धोती से शरीर का अगला हिस्सा ढका हुआ था। वह पैर चौड़ाकर सीढ़ियों की तरफ बढ़ते हैं और छत पर पहुंच जाते हैं। छत पर लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज दृश्यों के मुताबिक, वह बाउंड्री पर बैठते हैं और फिर लेट जाते हैं। सबसे अजीब बात यह थी कि प्राइवेट पार्ट कटने

जैसे भयंकर दर्द के बाद भी उनके चेहरे पर तड़प या छटपटाहट का कोई भाव नहीं था। इसके बाद वह अचानक तेजी से उठते हैं और बाउंड्री पर चढ़कर नीचे छलांग लगा देते हैं। जिस वक्त वह नीचे गिरे, वहां से एक साइकिल सवार गुजर रहा था, जो बाल-बाल बचा। इलेक्ट्रिक ग्राइंडर से शरीर का इतना संवेदनशील अंग कटने के बाद कोई इंसान शांत कैसे रह सकता है? इस सवाल ने डॉक्टरों को भी अचंभे में डाल दिया है। 'यह बात समझ से परे है कि कोई व्यक्ति अपने ही हाथों इलेक्ट्रिक ग्राइंडर से अपना प्राइवेट पार्ट कैसे काट सकता है। ऐसी दर्दनाक स्थिति में कोई चीखे-चिल्लाए नहीं, तड़पे नहीं और बिना छटपटाहट के चलता रहे, यह मेडिकल साइंस के हिसाब से लगभग असंभव सा लगता है।' इसी वजह से पुलिस को शक है कि कहीं रसिक घटना के वक्त किसी भारी नशे या ड्रग्स के असर में तो नहीं थे? इसकी पुष्टि के लिए उनके ब्लड सैंपल जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजे गए हैं। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से कोई छेड़छाड़ तो नहीं हुई, इसकी भी फोरेंसिक पड़ताल कराई जा रही है। रसिक दुलारी शरण के शव के पोस्टमार्टम में गंभीर चोटों की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में कुल सात चोटों का जिक्र किया गया है: वृंदावन पुलिस इस बात की तहकीकात कर रही है कि जिस वक्त कमरा नंबर 21 में यह वाकया हुआ, उस समय उनका रूममेट जुगल शरण कहां था और ग्राइंडर कमरे में कब और कैसे लाया गया। 'हमें मथुरा के सर्वोदय अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गंभीर हालत में लाया गया है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची तो पता चला कि जबलपुर निवासी रसिक दुलारी शरण की चौथी मंजिल से गिरने से मौत हुई है। वह आश्रम के पास गुरु कृपा कुंज में रहते थे। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।' सामने की इमारत में रहने वाले एक पड़ोसी ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10:30 बजे हुआ था। आश्रम के लोग ही घायल को अस्पताल ले गए थे, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

नोएडा की कोठी में चलता था न्यूड शो फिर पोर्न' साइट पर करते थे अपलोड16 करोड़ का विदेशी फंड भी मिला

(यंग भारत न्यूज)

ईडी द्वारा नोएडा के सेक्टर 105 स्थित सी-234 कोठी में उज्जवल किशोर और उसकी पत्नी नीलू श्रीवास्तव के विदेशी फंडिंग पर पोर्न साइट को कंटेंट उपलब्ध कराने का पर्दाफाश होने पर नोएडा पुलिस भी हरकत में आ गई। शनिवार को डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने टीम के साथ अपने स्तर से मामले की जांच की। दंपती का घर दिल्ली के एक अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर के नाम हैं। ईडी ने शुक्रवार को आरोपित दंपती की गिरफ्तारी के बाद उस ताला लगवा दिया था। ईडी की कार्रवाई के चलते पुलिस ने फिलहाल घर का ताला नहीं खुलवाया है। आरोपित दंपती यहां

पिछले पांच-छह वर्षों से किराए पर रहे थे।

उन्होंने एओए या आसपास लोगों से कभी ज्यादा वास्ता नहीं रखा था। इसी वजह से सेक्टर वालों को भी उसकी करतूत की जानकारी नहीं हो सकी। एओ के पदाधिकारी और निवासी हैरान है कि दंपती यहां गोपनीय तरीके से इस तरह के कृत्य को अंजाम दे रहा था। जानकारी मिली है कि दंपती पांच वर्षों से पोर्न साइट को कंटेट उपलब्ध करा रहे थे। वह अलग-अलग युवतियों को अपनी कोठी में बुलाते थे। ईडी को यह जानकारी मिली है कि दंपती साइप्रस स्थित टेक्नियस लिमिटेड कंपनी से किसी शख्स के जरिए जुड़े थे, जो पोर्न वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपनी वेबसाइट में अपलोड करते हैं। दंपती ने बैंक नियमों में भी हेराफेरी कर नेशनल कोड को गलत तरीके से प्रस्तुत कर विदेशी कंपनियों से अवैध धन का लाभ लिया। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दंपती के घर पर छापा मारकर 15.66 करोड़ रुपये की अवैध विदेशी फंडिंग मिलने का दावा किया है। सूत्रों का कहना है कि उज्जवल रूस में भी ऐसे ही गिरोह को संचालित कर रहा था। बाद में उसने भारत आकर पत्नी के साथ इस गोरखधंधे को शुरू कर दिया। जांच में आया कि दंपती ने माडलों की भर्ती के लिए विभिन्न इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म का खुलकर उपयोग किया। उन्होंने फेसबुक पर भी एक पेज बनाया और उसमें आकर्षक वेतन के वादे के साथ युवतियों को माडलिंग का आफर दिया। ईडी को यह जानकारी मिली है कि दंपती ने मॉडलिंग की प्रतियोगिता के लिए नोएडा स्थित फ्लैट पर पहुंची युवती और महिलाओं को पोर्न वीडियो में शामिल होने पर एक से दो लाख रुपये प्रति माह कमाने का लालच दिया। ईडी को फ्लैट में एक वेबकैम स्टूडियो मिला है, जो अश्लील प्लेटफार्म पर मिलने वाली सामग्री को प्रसारित करता था। दंपती पोर्न वीडियो के लिए मॉडल्स को आधा, कम और पूरी अश्लीलता के लिए अलग-अलग पैकेज देते थे, जिसमें 75 प्रतिशत दंपती के पास और 25 प्रतिशत रकम मॉडल को देते थे। वहीं, ईडी को नीदरलैंड में एक बैंक खाते की भी जानकारी हुई है। इसमें विदेशी कंपनी द्वारा सात करोड़ रुपये जमा किए गए थे। दंपती ने इस रकम को अंतरराष्ट्रीय डेबिट कार्ड की मदद से भारत में निकाल लिया था। नोएडा पुलिस ने सेक्टर में किराएदारों का सत्यापन करने की तैयारी तेज कर दी है। डीसीपी रामबदन सिंह ने एओए और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों से किराएदारों का सत्यापन कराने की अपील की है। जुलाई 2024 में फेज तीन पुलिस ने संगीत के शिक्षक को गिरफ्तार कर पर्दाफाश किया कि आरोपित अपने घर दस साल की बच्चियों को म्यूजिक सिखाने के बजाय पोर्न वीडियो दिखाता था। यह पोर्न वीडियो उसको अंतरराष्ट्रीय बाजार से उपलब्ध होते थे। इसके अलावा जून 2022 में बीटा-दो कोतवाली पुलिस ने अंसल गोल्फ़ लिंक सोसायटी में एक सेक्स रैकेट पकड़ा था, जिसमें पोर्न वीडियो बनाकर उनको अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा जाता था।

अतिवृष्टि से फसलों को नुकसान, सपा नेता अमर सिंह चंदेल ने गांवों में पहुंचकर जाना किसानों का हाल

शेखपुरा बुजुर्ग, अतरछला और जगतपुरा अहीर में ग्रामीणों से किया जनसंपर्क, बारिश से फसल नुकसान की ली जानकारी

- बीमा कंपनी और प्रशासन से प्रभावित किसानों का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की उठाई मांग
- बोले- प्राकृतिक आपदाओं से लगातार प्रभावित हो रहा किसान, कर्ज माफी और खाद की कीमत कम करने की जरूरत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। लगातार हो रही बारिश और अतिवृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान के बीच समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अमर सिंह चंदेल ने विधानसभा कालपी (220) के जालौन ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर किसानों और ग्रामीणों का हाल जाना। उन्होंने शेखपुरा बुजुर्ग, अतरछला, जगतपुरा अहीर समेत अन्य गांवों में समाजवादी साथियों के साथ जनसंपर्क किया और ग्रामीणों से संवाद कर बारिश से पैदा हुई समस्याओं की जानकारी ली।

जनसंपर्क के दौरान चंदेल ने खेतों में बारिश के कारण फसलों की स्थिति और किसानों को हो रहे नुकसान पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि जनपद जालौन में किसानों को हर वर्ष किसी न किसी प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ता है। कभी अतिवृष्टि तो कभी सूखा और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां किसानों की मेहनत पर असर डालती हैं। ऐसे में फसल खराब होने से किसान के सामने आर्थिक संकट और बढ़ जाता है। सपा नेता ने कहा कि किसानों ने फसल तैयार करने में खाद, बीज, सिंचाई और मजदूरी पर बड़ी रकम खर्च की है। अतिवृष्टि के कारण फसल प्रभावित होने पर उनकी लागत निकलना भी मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्रशासन और फसल बीमा कंपनियों से मांग की कि प्रभावित गांवों में तत्काल सर्वे कराया जाए तथा वास्तविक नुकसान का आकलन कर पात्र किसानों को नियमानुसार बीमा और सरकारी राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय किसानों को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है। सरकार को किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कर्ज माफी और खाद की कीमतों में कमी जैसे कदम उठाने चाहिए, ताकि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। इस दौरान चंदेल ने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ-साथ सर्व समाज के लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार जनसंवाद करती रहेगी।

रामपुरा के जंगल में स्थित भैरव मंदिर पर उमड़ती है अपार श्रद्धा, हर रविवार सजता है विशाल भंडारा

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) उत्तर प्रदेश के जालौन जिले अंतर्गत माधौगढ़ क्षेत्र के रामपुरा स्थित घने जंगलों के बीच विराजमान भैरव बाबा का मंदिर श्रद्धालुओं के लिए अगाध आस्था का केंद्र बना हुआ है। प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक शांति से सराबोर इस पावन स्थल पर हर रविवार को भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ता है।

दूर-दूर से पहुँचते हैं श्रद्धालु

भैरव बाबा के प्रति जन-जन में अटूट विश्वास है। यही कारण है कि केवल स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के शहरों से भी श्रद्धालु खिंचे चले आते हैं। कानपुर, आगरा, झाँसी, और मध्य प्रदेश के ग्वालियर जैसे प्रमुख शहरों से हर हफ्ते सैकड़ों-हजारों श्रद्धालु परिवार सहित यहाँ दर्शन-पूजन के लिए पहुँचते हैं। भक्त बाबा के सम्मुख माथा टेककर अपनी मनोकामनाएँ माँगते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

भव्य भंडारे और प्रसादी का आयोजन

प्रत्येक रविवार को मंदिर कमेटी द्वारा एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया जाता है। सुबह की आरती के बाद शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक अनवरत चलता रहता है। दूर-दूर से आए सभी श्रद्धालुओं को बड़े ही आदर और श्रद्धा भाव के साथ प्रसादी ग्रहण कराई जाती है।

सेवा भाव में जुटी मंदिर कमेटी

इस विशाल धार्मिक आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में मंदिर कमेटी का सराहनीय योगदान रहता है। महंत अशोक दरबार के मार्गदर्शन में कमेटी के समर्पित सदस्य—मोनू शर्मा, मुन्ना पुरवार, दिनेश, बिनोद शाक्यवार, माखन पाल और बड़े शाक्यवार समेत पूरी टीम निःस्वार्थ भाव से व्यवस्थाओं को संभालने में जुटी रहती है। रामपुरा का यह भैरव मंदिर न केवल एक पवित्र धार्मिक स्थल है, बल्कि यह सेवा, समर्पण और सामाजिक समरसता की एक अद्भुत मिसाल बन चुका है

पहली बार आपके अपने शहर में जल्द जल्द आ रहा है मिस्टर और मिस ग्लैम इंडिया अंतर्राष्ट्रीय फैशन शो डिजाइनर 22 नवंबर जल्द से जल्द अपने आवेदन करें

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ जालौन आपके माधौगढ़ नगर में पहली बार जल्द आ रहा है मिस्टर एंड मिसेज ग्लैम इंडिया अंतर्राष्ट्रीय ऑडिशन उषा होटल गेस्टहाउस चितौरा रोड माधौगढ़ मे जल्द से जल्द पंजीकरण शुरू कराये ऑडिशन के लिए जगह-जगह राष्ट्रीय केंद्र खुलें है दिल्ली मुंबई मदुरे चेन्नई जयपुर माधौगढ़ उषा होटल गेस्ट हाउस मे अपनी अपनी प्रतिभा दिखाएं जीतने वालो को बंपर उपहार के साथ इनाम दिया जयेगा एवं फूलमालाओं से सम्मानित किया जायेगा इस ऑडिशन में मॉडलिंग गायन नृत्य मेकअप आर्टिस्ट प्रतियोगिता डिजाइनर प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर पर किया जयेगा इस कार्यक्रम में फाइनल पहुंचे प्रतिभागियों को कार्यक्रम के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा पता माधौगढ़ उषा होटल एंड रेस्टोरेंट में किया जाएगा ग्लैमर और उत्कृष्ट उत्तर प्रदेश माधौगढ मे 22 नवंबर को किया जयगा जल्द से जल्द आप सभी लोग फार्म भरे जिससे पहले पुरस्कार पाएं पहले आए पहले पाये इस नंबर पर संपर्क करें 8545 969270 ऑनर संध्या वर्मा अभिषेक गौतम सभी क्षेत्रवासी नगर वासी ग्राम वासी को अनुरोध है कि जल्द से जल्द अपना रजिस्ट्रेशन कारण उषा रेस्टोरेंट एंड होटल छात्राएं अपनी कला का प्रदर्शन दिखाएं एक बार सेवा का मौका दें/ होटल मालिक अभिषेक कुमार गौतम / संध्या वर्मा फैशन डिजाइनर कानपुर से

माधौगढ़ की उपेक्षा की भेंट चढ़ी 100 साल पुरानी ऐतिहासिक गुड़ और घी की मंडी

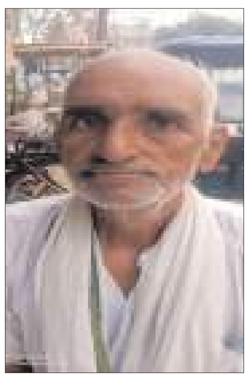

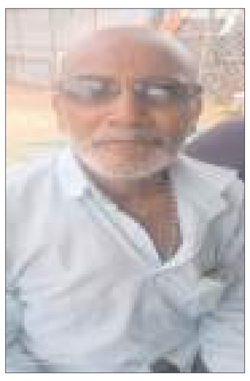

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ(जालौन) उत्तर प्रदेश के जालौन जिले का माधौगढ़ नगर कभी अपनी एक खास पहचान के लिए पूरे देश में जाना जाता था। यहाँ की 100 साल पुरानी गुड़ और घी की मंडी अपनी शत-प्रतिशत शुद्धता और उच्च गुणवत्ता के लिए पूरे भारत में विख्यात थी। लेकिन आज शासन और प्रशासन की घोर उपेक्षा के कारण यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह विलुप्त होने की कगार पर पहुँच गई है।

माधौगझ की बंद चीनी मिल और दम तोड़ती गुड़ मंडी

नगर में स्थापित गन्ना मिल वर्षों से धूल फांक रही है। मिल बंद होने का सीधा असर क्षेत्र के गन्ना किसानों और गुड़ व्यापार पर पड़ा है। स्थानीय किसान पान सिंह और तेज सिंह का कहना है कि: अगर शासन इस बंद पड़ी चीनी मिल को दोबारा चालू करवा दे, तो क्षेत्र के किसानों को गन्ने का सही दाम मिलेगा और इससे दम तोड़ चुकी गुड़ मंडी को भी एक नया जीवनदान मिलेगा। दूध डेरियों का जाल और खोती घी की शुद्धता ?कभी शुद्धता की गारंटी माने जाने वाले माधौगढ़ के घी व्यापार पर जगह-जगह खुली अनियंत्रित दूध डेरियों ने गहरा आघात किया है। इन डेरियों के कारण पारंपरिक घी का व्यापार ठप हो गया है, जिससे आम जनता को अब असली व शुद्ध घी मिलना दूभर हो गया है। इस गंभीर मुद्दे पर नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी महेश मौसिया और बलराम सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि ?क्षेत्र में चल रही सभी दूध डेरियों के लाइसेंस की कड़ाई से जांच हो।डेरियों पर मिलने वाले दूध और अन्य उत्पादों की गुणवत्ता का नियमित निरीक्षण किया जाए। मिलावटखोरों पर नकेल कसी जाए ताकि घी की शुद्धता बहाल हो सके और घी मंडी पर जनता का पुराना विश्वास फिर से लौट आए। माधौगढ़ की यह ऐतिहासिक मंडी सिर्फ एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और आर्थिक रीढ़ थी। स्थानीय नागरिकों, किसान पान सिंह व तेज सिंह ने शासन,प्रशासन से बन्द पडी चीनी मिल को पुना चालू कराये जाने की मांग की है।जिससे किसानों व व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके।

बारिश के चलते भरभराकर गिरा कच्चा मकान और बेघर हुआ परिवार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन। 24 घंटों से हो रही बारिश ने ग्राम जगम्मनपुर निवासी नीलेश सक्सेना के परिवार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के कारण उनका कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। मकान गिरने से परिवार का आशियाना उजड़ गया और घर में रखा गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि मकान गिरने के समय परिवार के सदस्य उसके अंदर मौजूद नहीं थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

पिछले कुछ समय से हो रही बारिश के चलते जगम्मनपुर निवासी नीलेश सक्सेना के कच्चे मकान की दीवारों में नमी आ गई थी और कमजोर हो गई थीं। बुधवार की सुबह बारिश के बीच अचानक मकान भरभराकर गिर पड़ा। मकान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गनीमत रही कि हादसे के समय मकान में कोई नहीं था। हालांकि घर में रखा अनाज और घर गृहस्थी का सामान मलबे में ही दब गया। हादसे के बाद अब परिवार के पास अब आर्थिक स्थिति का संकट आ गया। ट्यूशन पढ़ा कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले नीलेश सक्सेना ने बताया कि बारिश के इस मौसम में मकान कैसे बनेगा और कहां रहेंगे यह समस्या आ खड़ी हुई है। मकान में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर और अन्य घरेलू सामान भी मलबे में दबकर खराब हो गया है। लगातार बारिश के चलते पहले ही रोजमर्रा का काम प्रभावित हो रहा था। इसी बीच मकान गिर जाने से परेशानी और बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

तालाब की अधूरी दीवार बनी मुसीबत, रास्ते में भरा पानी तो गांव की पानी की टंकी का रास्ता बंद

प्रधान पर अधूरा निर्माण कराने के आरोप, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था दुरुस्त न होने पर ग्राम पंचायत बैरई में ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा तालाब में बनवाई जा रही दीवार का निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया, जिसके चलते तालाब ओवरफ्लो होने पर पानी रास्ते में भर गया। हालात यह हैं कि पानी की टंकी की ओर जाने वाला रास्ता भी जलभराव की चपेट में आ गया है, जिससे गांव में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के बाद तालाब में पानी का स्तर बढ़ गया। पानी की निकासी का उचित रास्ता नहीं होने के कारण पानी सड़क और आवागमन वाले मार्ग पर फैल गया। ग्रामीणों का कहना है कि जिस रास्ते से पानी की टंकी तक पहुंचकर व्यवस्था संचालित होती है, वही रास्ता जलभराव के कारण बंद हो गया है। इससे ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें जलभराव की स्थिति दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि तालाब की दीवार और पानी की निकासी का कार्य समय रहते पूरा करा दिया जाता तो शायद यह स्थिति पैदा नहीं होती। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और प्रधान अथवा संबंधित विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में पूरे मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर तालाब की स्थिति, अधूरी दीवार और जलनिकासी व्यवस्था की जांच कराने तथा पेयजल आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। अब सवाल यह है कि आखिर अधूरे निर्माण की जिम्मेदारी किसकी है और ग्रामीणों को जलभराव की इस समस्या से कब निजात मिलेगी ?

मध्यरात्रि में खनिज वाहनों की चेकिंग, दो मौरम लदे वाहन पकड़े

(यंग भारत न्यूज)

जालौन, 27 सितंबर (वार्ता)। जिलाधिकारी समीर और पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के निर्देश पर जनपद में अवैध खनन, उपखनिजों के अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में कालपी क्षेत्र में मध्यरात्रि को संयुक्त टीम ने उपखनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की। अभियान के दौरान कुल 23 वाहनों की जांच की गई, जिसमें दो मौरम लदे वाहन बिना वैध परिवहन प्रपत्र के उपखनिज का परिवहन करते पाए गए।

- 23 वाहनों की जांच, बिना वैध परिवहन प्रपत्र मिले दो वाहन
- दोनों वाहनों पर 2.21 लाख रुपये का जुर्माना, एक वाहन मंडी थाने की अभिरक्षा में
- अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर प्रशासन की सख्ती, अभियान रहेगा जारी

चेकिंग अभियान उपजिलाधिकारी कालपी विनय मौर्य, पुलिस क्षेत्राधिकारी कालपी राजेश कमल, खान अधिकारी/खान निरीक्षक जालौन तथा एआरटीओ जालौन राजेश कुमार की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। टीम ने मध्यरात्रि में प्रमुख मार्गों पर उपखनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों को रोककर उनके दस्तावेज और परिवहन संबंधी अभिलेखों की जांच की। जांच के दौरान दो वाहनों में मौरम लदा मिला। वाहन चालकों द्वारा उपखनिज के परिवहन के लिए आवश्यक वैध परिवहन प्रपत्र प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद दोनों वाहनों के विरुद्ध ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की गई। वहीं, कार्रवाई के दौरान एक वाहन को थाना कदौरा मंडी की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। अधिकारियों के अनुसार खनिज एवं परिवहन विभाग की ओर से दोनों वाहनों पर कुल 2.21 लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। जुर्माने की धनराशि की नियमानुसार वसूली की जाएगी। संयुक्त टीम की कार्रवाई से अवैध रूप से उपखनिजों का परिवहन करने वाले वाहन संचालकों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध खनन, उपखनिजों के अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। खनिजों के परिवहन की नियमित निगरानी की जा रही है और अलग-अलग मार्गों पर वाहनों की जांच की जा रही है। जिला प्रशासन ने कहा कि चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध खनन और उपखनिजों के अनधिकृत परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। अचानक होने वाली चेकिंग और दस्तावेजों की जांच के माध्यम से नियमों का पालन सुनिश्चित कराने पर जोर दिया जा रहा है।

माधौगण कस्बा मैं झोला छाप डॉक्टरों की भरमार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन, माधौगण कस्बा मैं आजकल बिना डिग्री के झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार गरीबों का चूस रहे हैं खून जिसकी जांच सक्षम अधिकारियों को सौंपी गई थी एक साल से अधिक हो गया कोई कार्य वाही नहीं की गई केवल जांच चल रही है देखना यह है कि जांच को अपना ठिकाना मिलता है या जांच चलती ही रहेगी जबकि ऐसे मामलों में सरकार को संज्ञान में लेते हुए जांच का दायरा निश्चित किया जाए क्योंकि सालों गुजर जाते हैं और जांच अपने मुकाम तक नहीं पहुंच पाती है वह चलती ही रहती है ऐसे ही कस्बा में अन्य डॉक्टर जैसे बंगाली एवं कमल राय जो बिना डिग्री किये ही खुलेआम अपने को डॉक्टर बता कर डॉक्टरी कर रहे हैं कस्बा के डॉक्टर कमल राय से जब मीडिया कर्मियों ने उनके डिग्री के बारे में जानकारी ली तो उनका कहना था कि हम बिना डिग्री के ही डॉक्टरी कर रहे हैं हमारा यहां पर इतना रुतबा है कि ना तो कोई सांसद ना विधायक और ना ही कोई प्रभारी चिकित्सा निरीक्षक हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है जबकि डॉक्टर साहब को जानकारी भी नहीं है कि किस मर्ज पर कौन दवाई दी जाए फिर भी अपने को डॉक्टर बात कर खुलेआम गरीबों के साथ जिस तरीके से अन्याय हो रहा है जबकि इसकी शिकायत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी मनीष राजपूत से की गई तो उन्होंने शक्त आदेश दिया कि झोलाछाप डॉक्टरो पर सख्त कार्रवाई होगी जबकि कस्बा के झोलाछाप डॉक्टरों ने पहले भी कई मरीजों के ऐसे इंजेक्शन लगाए जिनकी जान पर आफत आ गई और इसका विरोध भी हुआ लेकिन वह अपनी दबंगई की दम पर डॉक्टरी कर रहे हैं

श्रीहरि गौशाला में दो सैकडा पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पर्यावरण संरक्षण को लेकर हेल्पिंग हैंड्स सेवा संस्थान झांसी द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों ने पौधे रोपकर इन पौधों की उचित देखपाल करने के लिए प्रेरित किया।

रविवार को रामकुंड कॉलोनी स्थित श्रीहरि अनंत गौशाला एवं सेवा धाम फाउंडेशन के परिसर में हेल्पिंग हैंड्स सेवा संस्थान प्रमुख सत्येंद्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन मुख्य अतिथि शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों में एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, मंडलीय वन अधिकारी झांसी महावीर कोंजालवी, प्रभागीय वन अधिकारी प्रदीप कुमार, आरएफओ संजीव तिवारी, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल उपस्थित रही। विधायक मूलचंद्र सहित अन्य सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों ने औषधि, फल-फूल व छायादार ढाई सैकड़ा पौधे रोपकर उन्हें पानी से सींचा। इस मौके पर विधायक ने कहा कि हम सभी लोग खाली स्थानों पर अधिकाधिक संख्या में पौधे लगाकर उनकी नियमित तौर पर देखभाल जरूर करें।

एमएलसी प्रतिनिधि, पालिकाध्यक्ष व भाजपा नगर अध्यक्ष समेत वन विभाग के अधिकारियों ने भी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने के लिए पौधारोपण पर जोर दिया। इससे पहले कार्यक्रम संयोजक राजकुमार अग्रवाल राजू दतिया वाले, संगीता संजय अग्रवाल, कल्पना दुवे, बब्बूराजा निरंजन नरी, अतुल मिश्रा ने अतिथियों का माल्यार्पण/पुष्पगुच्छ सहित स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया। संचालन राजेंद्र द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा नदीगांव मंडल अध्यक्ष अनुराग खरे, मयंक मोहन गुप्ता, राजीव रेजा, नरसिंह गहरवार, विकास पटेल धनौरा, ओपी कुशवाहा, सभासद अनिल वर्मा, अरविंद निरंजन मुनिया, प्रधान अवधेश पटेल पचीपुरी, धर्मेंद्र राठौर, निर्मल गोस्वामी, मुकेश कौरव आदि मौजूद रहे।

परिवार परामर्श की काउंसलर्स टीम ने पति पत्नी के विवाद में समझौता कराया

-नाराज दंपत्ति हंसी खुशी घर गए

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली में संचालित परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलर्स टीम ने रविवार को कोतवाली क्षेत्र से ही आए पति-पत्नी के विवाद में दोनों पक्षों से वार्ता कर टीम ने सुलह समझौता करा दिया जिसके बाद दंपत्ति हंसी-खुशी घर गए।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रवा की रहने वाली वर्षा पत्नी शिवम ने पुलिस में शिकायत की थी कि उसका पति शिवम उसके साथ गाली गलौज और मारपीट करता है। शिकायत में वर्षा ने दहेज उत्पीड़न का भी आरोप लगाया था जिस पर परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी कोतवाल निगवेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में केंद्र की कार्यकारी प्रभारी महिला उपनिरीक्षक भारती सिंह की मौजूदगी में काउंसलर्स पत्रकार पुरूषोत्तम दास रिछारिया, जाहिद, शिक्षाविद डॉ. सावित्री गुप्ता एवं समाजसेवी रजनी डेंगरे ने केंद्र पर उपस्थित पीड़िता वर्षा से वार्ता की तथा उसके पति शिवम पुत्र धनीराम को थाने पर बुलाकर समझाया बुझाया और दुनियादारी की ऊंच-नीच समझाई। दोनों पक्षों द्वारा अपने अपने परिवारीजनों व रिश्तेदारों के समक्ष आपस में सुलह समझौता कर लिया गया। पीड़िता वर्षा के पति शिवम ने मारपीट नहीं करने का आश्वासन दिया, जिससे वर्षा संतुष्ट रही। इस प्रकार दोनों ने आपसी सुलह समझौते पर हामी भरी और हंसी-खुशी अपने घर गए। परिवार परामर्श केंद्र की सूझबूझ और सकारात्मक कार्रवाई ने एक परिवार को बिखरने से बचा लिया गया है। इस दौरान महिला आरक्षी द्वय जान्हवी तथा अर्चना केशरवानी भी मौजूद रहीं।

मूसलाधार बारिश से जालौन में भारी तबाही

21 कच्चे मकान ढहे और फसलें चौपट, राहत कार्य शुरू

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जालौन जिले में पिछले 48 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश के चलते कालपी, डकोर, माधौगढ़, कोटरा और आटा क्षेत्र में 21 कच्चे मकान ढह गए और सैकड़ों किसानों की खरीफ फसलें बर्बाद हो गईं। हादसों में किसी जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन कई परिवार बेघर हो गए हैं। प्रशासन की ओर से एसडीएम सदर उत्तम कुमार और तहसीलदार उरई सुरेंद्र कुमार ने डकोर के प्रभावित गांवों का दौरा कर सर्वे कराया तथा पीड़ितों के लिए लंच पैकेट व भोजन की व्यवस्था कराई। एडीएम राजीव राज के अनुसार पीड़ितों की सूची तैयार कर जल्द मुआवजा दिया जाएगा।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को मिलेगा 'उप्र गौरव सम्मान'

30 सितंबर तक जिलाधिकारी से अग्रसारित आवेदन निदेशालय में जमा होंगे

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कला-संस्कृति, कृषि, उद्यमिता, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, साहित्य, शिक्षा, खेल, समाजसेवा, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण व ग्राम विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रदेश के ख्यातिलब्ध महानुभावों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। आवेदन 30 सितंबर 2026 की शाम 5 बजे तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन जमा किए जा सकेंगे।

कीचड़ से पटी सड़क, 400-500 घरों के लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

बार-बार शिकायत के बावजूद नहीं हुई सुनवाई, स्कूली बच्चों को भी हो रही परेशानी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के वार्ड नंबर-14 में अजनारी रोड स्थित शिवालय के पीछे चक्की वाली मुख्य सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर कीचड़ और जलभराव के कारण यहां रहने वाले करीब 400 से 500 घरों के लोगों को 24 घंटे आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि बच्चों का स्कूल जाना तक मुश्किल हो गया है। कई बार कीचड़ में फिसलकर बच्चे गिर जाते हैं, जिससे उनकी स्कूल ड्रेस भी खराब हो जाती है। वहीं बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य राहगीरों को भी इस रास्ते से निकलने में काफी दिक्कत हो रही है।नगर पालिका में कई बार शिकायत, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक सड़क की समस्या को लेकर नगर पालिका में कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। लोगों का कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि की ओर से सड़क पर गिट्टी डलवाने के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद मौके पर काम नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि सड़क की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कराकर कीचड़ और जलभराव की समस्या दूर कराई जाए तथा सड़क का स्थायी निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

लगातार हो रही बारिश से भरभराकर गिरा पशुबाडा, मलबे में दबे कई पशु

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम गोराकरनपुर में लगातार हो रही बारिश के चलते रविवार को बड़ा हादसा हो गया।सुबह अचानक एक पशुबाड़ा भरभराकर जमींदोज हो गया। हादसे के समय पशुबाड़े में कई पशु मौजूद थे, जो मलबे में दब गए।घर में कढोरे,गुड्डी,शिव सिंह, अर्चना, निखिल, दीपा मौजूद थे।घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पशुओं को मलबे से निकालने का प्रयास शुरू किया गया। हादसे में कई पशुओं के घायल होने की सूचना है।ग्रामीणों के अनुसार पिछले दो दिनों से क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण पशुबाड़े की दीवारें और छत कमजोर हो गई थीं। रविवार सुबह अचानक पूरा पशुबाड़ा भरभराकर गिर पड़ा। पशुबाड़े में रखा भूसा और आटा भी मलबे में दब गया, जिससे ग्रामीण को आर्थिक नुकसान हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण गांव में पिछले कुछ दिनों के दौरान करीब चार से पांच मकान भी ढह चुके हैं। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोग अपने कच्चे मकानों को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इतनी घटनाओं के बावजूद अब तक कोई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नही आया और न पीड़ितो की सुध ली।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में तत्काल टीम भेजकर बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कराया जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त मकानों और पशुबाड़ों का आकलन कर प्रभावित परिवारों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाए। लगातार बारिश के बीच ग्रामीणों को अब और मकानों के गिरने का डर सता रहा है।

48 घंटे से मूसलाधार बारिश बनी किसानों के लिए मुसीबतः

30 हजार हेक्टेयर से अधिक धान की फसल जलमग्न, पककर तैयार बालियां गिरीं

(यंग भारत न्यूज)

उरई।जिले में पिछले करीब 48 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में पानी भरने से धान और बाजरा समेत खरीफ की फसलें जलमग्न हो गई हैं। किसानों के अनुसार जिले में 30 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बोई गई धान की फसल बारिश से प्रभावित हुई है। सबसे ज्यादा परेशानी उन किसानों को है, जिनकी धान की फसल अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी और बालियां पकने की अवस्था में थीं। तेज हवा और पानी भरने से फसल खेत में ही गिर गई है। खेतों में लगातार पानी भरा रहने से फसल के सड़ने और उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। किसान अब मौसम साफ होने और खेतों से पानी निकलने का इंतजार कर रहे हैं ताकि फसल को किसी तरह बचाया जा सके।

मन की बात' में पीएम मोदी का संदेश सुना,भाजपा कार्यकर्ताओं ने

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के सुभाष नगर स्थित बूथ संख्या 520 पर रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा कोषाध्यक्ष अनिल कपूर के आवास पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस दौरान विधायक मूलचंद्र निरंजन बूथ संख्या 520 पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में हिस्सेदारी की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से साझा किए गए विभिन्न विषयों और संदेशों को कार्यकर्ताओं ने ध्यानपूर्वक सुना।भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों, सामाजिक सरोकारों और जनभागीदारी से जुड़े विषयों को देशवासियों के सामने रखते हैं। इससे कार्यकर्ताओं और आम लोगों को समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता संगठन की मजबूती का आधार है।कार्यक्रम में राजेंद्र दुबे, सभासद अनिल वर्मा, महेंद्र सोनी, नरेश कुशवाहा, अवध यादव, विकास धनौरा, अरविंद मिश्रा, मान सिंह चौहान, अवधेश पटेल,डीके सोनी,चंदू सोनी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना और इसके बाद विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मानसिक रूप से परेशान युवक ने खुद को कमरे में बंद कर हंसिया से किया वार,

बचाने आई मां भी घायल; जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)

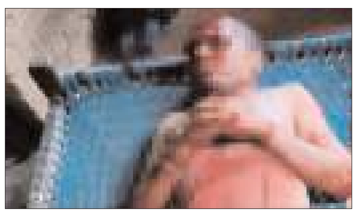

उरई। जिले के कदौरा थाना क्षेत्र के कुआंखेड़ा गांव में शनिवार को एक युवक ने खुद को कमरे में बंद कर हंसिया से कई वार कर खुद को घायल कर लिया। युवक की पहचान विकास उर्फ प्रशांत के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है। इस दौरान उसे बचाने दौड़ी मां रामजानकी भी घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार को विकास ने अचानक खुद को कमरे में बंद कर लिया और हंसिया से खुद पर वार करने लगा। बेटे की चीख सुनकर मां रामजानकी ने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की। इस खींचतान में मां को भी चोटें आईं। शोर सुनकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची कदौरा पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा और युवक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल विकास को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार विकास पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से बीमार है। उसकी पत्नी करीब डेढ़ महीने से मायके में रह रही है।इस संबंध में थाना प्रभारी परमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माधौगढ़ के रामपुरा ब्लॉक में 36 घंटे की बारिश से तबाहीः एक दर्जन से ज्यादा कच्चे मकान ढहे, फसलें भी नष्ट

(यंग भारत न्यूज)

उरई। माधौगढ़ तहसील के रामपुरा ब्लॉक के नावर गांव में पिछले 36 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस भारी बारिश के कारण गांव में एक दर्जन से ज्यादा कच्चे मकान गिर गए हैं।

मकान गिरने से ग्रामीणों का घरेलू सामान मलबे में दब गया, वहीं कई परिवारों का भूसा और अन्य जरूरी सामान भी खराब हो गया।ईटो, सिंगटौली, नवादा, अजीतापुर, अब्दुलापुर और जमरेहीसानी जैसे कई गांवों में किसानों की फसलें भी नष्ट हो गई हैं। गनीमत रही कि ज्यादातर घटनाओं में लोग समय रहते घरों से बाहर निकल गए, जिससे कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। कई ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत सर्वे कराकर नुकसान का आकलन करने और प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद व राहत सामग्री देने की मांग की है।

बाबई में 36 घंटे से लगातार बारिश, खेतों में भरा पानीः तिल और बाजरा की फसल पर संकट

(यंग भारत न्यूज)

उरई।जिले के बाबई क्षेत्र में पिछले 36 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है। खेतों में पानी भरने से तिल और बाजरा की फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

चारसोनी, नगरी और नगरा समेत आसपास के गांवों में खेतों में पानी जमा हो गया है। लगातार बारिश और तेज हवाओं से फसलें खराब हुई हैं। कई जगह तिल की फसल जमीन पर गिर गई है और पानी भरने से खराब होने लगी है। किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी मेहनत और लागत से फसलें तैयार की थीं। अब बारिश से उन पर संकट आ गया है। उन्हें डर है कि अगर बारिश जारी रही तो खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो सकती हैं। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजे की मांग की है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि विभाग जल्द ही प्रभावित खेतों का जायजा लेंगे।

छुट्टा जानवरो को पकड़ने की जिम्मेदारी है वन विभाग की, उनकी शिथिलता की शिकायत पीड़ितो ने डीएम से की

-आवारा कुत्तो के आतंक से राहगीर परेशान,कूत्ता काटने के बाद रोजाना आधा दर्जन से अधिक लोग पहुंचते है सीएससी

-आवारा कुत्तों को पकड़वाने की जिलाधिकारी से पीड़ित नागरिग कर रहे हैं मांग

(यंग भारत न्यूज)

कोच नगर में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक दिन व दिन बढ़ता जा रहा है। नगर के विभिन्न मुहल्लों और गलियों में कुत्ते झुंड बनाकर घूमते रहते है। आए दिन कुत्तों के काटने से लोग घायल हो रहे हैं। इसके चलते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंचने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है।स्थानीय लोगों के मुताबिक नगर के कई इलाकों में आवारा कुत्तों के झुंड सक्रिय हैं। सड़क और गलियों में अचानक कुत्तों के दौड़ने से राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है। लोगों का कहना है कि कुत्ते आए दिन राह चलते लोगों को काटकर घायल कर रहे हैं, जिससे नगर में भय का माहौल है।मजे की बात तो यह है कि पालिका द्वारा ऐसे आवारा कटखने कुत्तो अभी तक नही पकडवाया है।कुत्तों के काटने के बाद लोग उपचार के लिए सीएचसी पहुंच रहे हैं। सीएचसी में प्रतिदिन करीब आधा दर्जन से अधिक मरीज कुत्ते के काटने के बाद एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। सीएचसी के चिकित्सक अनिल कुमार शाक्य ने बताया कि कुत्ते के काटने के मामलो में मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।वहीं नगर में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक को लेकर प्रशासन ने भी संज्ञान लिया है। एसडीएम अभिनव कुमार ने बताया कि नगर में आवारा कुत्तों को पकड़वाने के लिए नगर पालिका को निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई कर लोगों को राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।नगरवासियों ने प्रशासन और नगर पालिका से जल्द अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की है, ताकि लोगों को कुत्तों के हमले से राहत मिल सके।

नरी-पहाड़गांव के बीच जरया नाले में दिखा विशाल मगरमच्छ, ग्रामीणों में दहशत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच विकासखंड कोंच क्षेत्र के ग्राम नरी और पहाड़गांव के बीच जरया नाले के पास रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ग्रामीण विपिन पटेल निवासी भेंपता,अब्दुल जाहिद व परमसुख निवासी नरी ने नाले के पास एक विशाल मगरमच्छ को विचरण करते देखा। मगरमच्छ को देखते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

बताया गया कि मगरमच्छ काफी बड़ा था और कुछ देर तक नाले के आसपास दिखाई देता रहा। ग्रामीणों की नजर पड़ने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को इसकी जानकारी दी। कुछ ही देर बाद मगरमच्छ नाले की ओर बढ़ा और पानी में प्रवेश कर गया। इसके बाद वह ग्रामीणों की नजरों से ओझल हो गया।मगरमच्छ के नाले में चले जाने के बाद भी आसपास के गांवों के लोगों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि जरया नाले के आसपास खेत हैं, जहां किसान और ग्रामीण अक्सर आवागमन करते हैं। ऐसे में मगरमच्छ की मौजूदगी से लोगों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से नाले के आसपास निगरानी बढ़ाने और मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उपयुक्त स्थान पर पहुंचाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बच्चों और पशुओं को नाले के पास न जाने देने तथा खेतों की ओर जाते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना आसपास के गांवों में भी फैल गई। फिलहाल मगरमच्छ नाले के पानी में चला गया है, लेकिन उसकी मौजूदगी को लेकर नरी, पहाड़गांव और आसपास के ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

मंदिर में अचानक लगी आग से पूजा की सामग्री जली

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पचीपुरी स्थित एक मंदिर में अचानक आग लग जाने से मंदिर में रखी पूजा सामग्री सहित अन्य तमाम सामान और दानपात्र में रखी नगदी जलकर खाक हो गई। बिजली शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पचीपुरी में रिहायशी बस्ती के पीछे पानी की टंकी के पास बड़ी माता का मंदिर स्थित है। रविवार की सुबह अचानक से मंदिर में आग लग गई। धुआँ और लपटें उठती देख मौके पर ग्रामीण पहुंचे और कडी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। पुजारी नरेंद्र ने बताया कि आग की चपेट में आने से पूजा सामग्री सहित कूलर, पंखा, पर्दे, देवी मां की पोशाकें आदि सामान जलकर खाक हो गया, इसके अलावा दानपात्र में रखी कुछ नगदी भी जल गई। पुजारी के अनुसार बिजली शॉर्ट सर्किट से आग लगना प्रतीत हो रही है।

बारिश ने छीना गरीब का आशियाना, भरभराकर गिरा कच्चा मकान; मलबे में दबी गृहस्थी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । दो दिन हो रही बारिश लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है।विकासखंड के ग्राम तामां में बारिश के कारण कच्चा मकान भरभरा कर गिया।मकान गिरने से उसमें रखा घर गृहस्थी का सामान दब कर खराब हो गया ।

विकास खण्ड के ग्राम तामां निवासी रामकरन पुत्र भागीरथ याज्ञिक का कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन सहित गृहस्थी का सारा सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया।पीड़ित रामकरन के परिवार में पत्नी के अलावा चार बेटियां और दो बेटे हैं। तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि एक बेटी की शादी आगामी नवंबर माह में होनी है। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। दोनों बेटे नितेश (17) और सितेश (20) बाहर रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। रामकरन और उनकी पत्नी गांव में ही रहकर घर संभालते हैं।लगातार बारिश के चलते उनका एकमात्र कच्चा आशियाना भी नहीं बच सका और देखते ही देखते जमींदोज हो गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य बाहर थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन परिवार अब खुले आसमान के नीचे आ गया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास व आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बारिश से क्षेत्र में कई अन्य कच्चे मकान भी जर्जर हो गए हैं, प्रशासन को सर्वे कराकर प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत देनी चाहिए।

26 लाख रुपये की लागत से बना रपटा पुल पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मलंगा नाला पर छह माह पहले करीब 26 लाख रुपये की लागत से बना रपटा पुल पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया है। रनवां से कोरीपुरा के बीच आवागमन के लिए बने इस रपटा के दोनों ओर मिट्टी का भारी कटाव हो गया है और कई हिस्सों में टूट-फूट आ गई है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है और निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार रनवां और कोरीपुरा के बीच करीब एक किमी की दूरी पर मलंगा नाला पड़ने से आवागमन में दिक्कत होती थी। इसी को देखते हुए बास मलंगा नाला पर ठेकेदार रजनीकांत कुशवाहा द्वारा 26 लाख से रपटा पुल बनवाया गया था। ग्रामीण रामकरन प्रजापति, तीरथराम, पर्वत सिंह कुशवाहा, रहीश खान सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के समय ही गुणवत्ता को लेकर आपत्ति जताई गई थी, पर ध्यान नहीं दिया गया। अब पहली बारिश में ही स्लैब और भराव बहने से पुल जर्जर हो गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से तकनीकी जांच कराकर दोषी ठेकेदार से रिकवरी और पुल की मरम्मत कराने की मांग की है। वहीं ठेकेदार का कहना है कि पानी कम होते ही क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत करा दी जाएगी।

भाजपा पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को सुना

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के मोहल्ला गणेशजी में भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष निशा माहेश्वरी के आवास पर पहली बार भाजपा जिला प्रभारी भुवन प्रकाश गुप्ता का आगमन हुआ। जहां उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को सुना और पदाधिकारियों के साथ संवाद किया।

भाजपा में जिला प्रभारी बनाए जाने के बाद पहली बार नगर में आए जिला प्रभारी भुवन प्रकाश गुप्ता मोहल्ला गणेशजी स्थित भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष निशा माहेश्वरी के आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का पदाधिकारियों के साथ बैठकर सुना। इसके बाद उन्होंने पदाधिकारियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि आगामी कुछ माह सभी कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बूथ स्तर तक सभी पदाधिकारी लोगों से मिलकर उनके साथ संवाद करें। हर बूथ पर घर घर जाकर लोगों को भाजपा की नीतियों के बारे में बताएं। भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने कहा कि भाजपा की नीतियों की लोग प्रशंसा कर रहे हैं। जनहितकारी नीतियों के चलते लोग प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी को दुआएं दे रहे हैं। इसके बाद भी सभी की जिम्मेदारी है कि लोगों के साथ बैठें और उन्हें पार्टी की गतिविधियों के बारे में अवगत कराएं। यह समय ऐसा है कि अभी से सभी को मिलकर जुटना होगा। सभी पदाधिकारी पार्टी हित में निस्वार्थ भाव से कार्य करें। कार्यक्रम का संचालन केसी पाटकार ने किया। इस मौके पर जिला महामंत्री प्रशांत द्विवेदी, जिला संयोजक सोशल मीडिया गौरव राठौर, सौरभ, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, भाजपा नगर अध्यक्ष अभिनय सिंह राजावत, निशा माहेश्वरी, वाचस्पति मिश्रा, अनिल याज्ञिक, गौरव मिश्रा, धीरज साहू, भानू बदल, आशा प्रजापति, प्रदुम्न द्विवेदी, यश पटेल, राजीव माहेश्वरी, विकास सोनी आदि रहे।

प्राथमिक विद्यालय पहाड़पुरा कम्पोजिट में चोरी!सीसीटीवी बंद कर चोरो ने घटना को दिया अंजाम

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।प्राथमिक विद्यालय पहाड़पुरा कम्पोजिट में अज्ञात चोरों ने शनिवार की रात चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने पहले स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों की केबिल काट दी और फिर दीवार तोड़कर कमरे में घुस गए। कमरे से 3 बैटरी, इन्वर्टर, माइक-साउंड सिस्टम और विज्ञान किट सहित कीमती सामान चुरा ले गए।

प्राथमिक विद्यालय कम्पोजिट पहाड़पुरा में हुई चोरी की जानकारी रविवार सुबह तब हुआ जब स्कूल के पास रहने वाली रसोइया शीला देवी ने स्कूल की दीवार टूटी देखी ।उन्होंने तुरंत प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र गौतम को विद्यालय में हुई चोरी की घटना की सूचना दी तथा बताया कि चोर स्कूल से कमरे में रखी 3 बैटरी, इन्वर्टर, माइक-साउंड सिस्टम और विज्ञान किट सहित कीमती सामान चुरा ले गए।प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र पाल ने बताया गया कि स्कूल की चाबी रसोइया के पास ही रहती है। सूचना पर डायल 112 और कोतवाली प्रभारी हरिशंकर चंद्र व उपनिरीक्षक विमलेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच की। ग्रामीणों ने बताया कि इसी विद्यालय में गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी खिड़की की सरिया तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था।

दो दिन लगातार हुई बारिश के चलते कच्चे मकान भरभरा कर गिरे

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। दो दिन लगातार हुई बारिश के चलते कच्चे मकान में आई नमी के कारण शनिवार की देर शाम मकान भरभरा कर गिर गया। हादसे में परिवार के लोग बाल-बाल बच गए। मकान गिरने से गृहस्थी का सामान, अनाज और जरूरी सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। पीड़ित परिवार के सामने अब सिर छिपाने का संकट खड़ा हो गया है।

विकास खण्ड के ग्राम कुठौंदा बुजुर्ग निवासी किसान जवान सिंह का परिवार कच्चे मकान में रहता था। समय के साथ कच्च मकान जर्जर हो गया था। शुक्रवार और शनिवार को लगातार हुई बारिश के चलते उनके कचे मकान में नमी आ गई थी। शनिवार की देर शाम उनका मकान नमी के चलते अचानक से भरभरा कर ढह गया। हादसे के समय परिवार के सदस्य मकान के अंदर नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मकान गिरने के बाद परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। किसान ने बताया कि अभी मकान भले ही कच्चा था लेकिन उसमें रह तो लेते थे। अब मकान गिरने से छत भी नहीं बची है। घर गृहस्थी का सामान भी नष्ट हो गया है। उन्होंने प्रशासन से परिवार को तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने हल्का लेखपाल से मौके का निरीक्षण कर क्षति का आकलन कराने और नियमानुसार आपदा राहत दिलाने की मांग की। साथ ही पात्रता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म

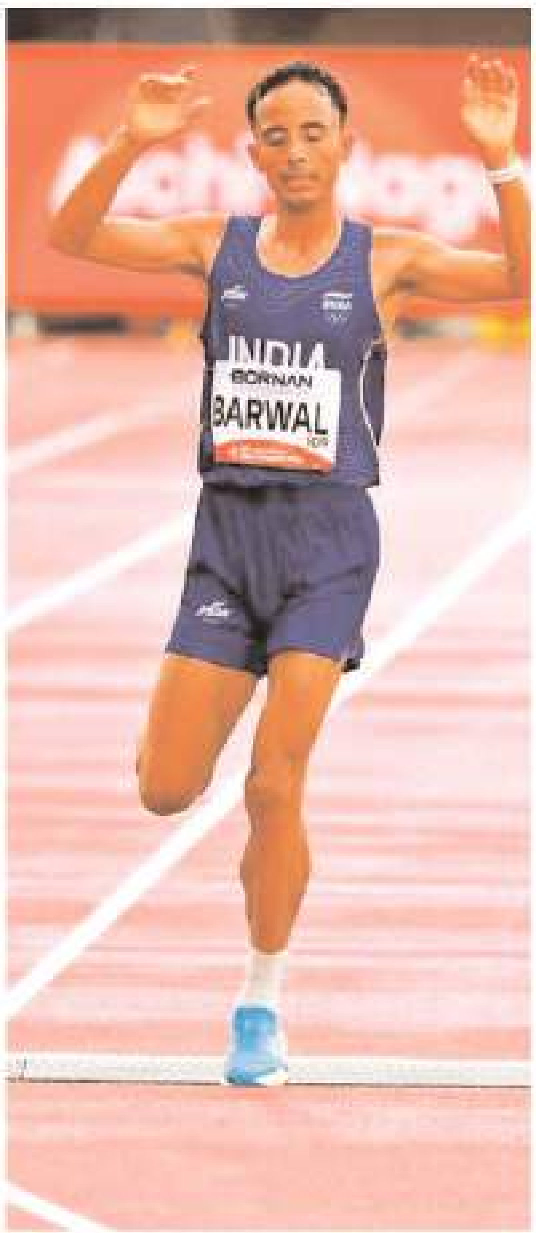

नागोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

यह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के फेंग् फैंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में छोटूर कुकाप्पा सोलान ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

1951 में छोटा सिंह ने जीता था स्वर्ण

दिल्ली में 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सूरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया। अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

मेरा लक्ष्य पदक जीतना था : बरवाल

बरवाल ने रेस के बाद कहा, 'मेरा लक्ष्य पदक जीतना था, अपना रिकॉर्ड बेहतर करना नहीं। लेकिन यह भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय बाद देश के लिए पदक जीत सका।' बरवाल आधी रेस पूरी होने तक दूसरे स्थान पर चल रहे थे। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य 38-40 किलोमीटर तक पहले ग्रुप में रहना था। मैं पहले ग्रुप में रहा और आखिरी एक दो किलोमीटर में फिनिश करने का फैसला किया। आखिर में 38-31 किलोमीटर में तीन ही रनर थे। मैंने एक ही रफ्तार बनाये रखने की कोशिश की।

महिला टीम को राइफल थ्री पोजिशंस में रजत

नागोया। भारत की सिफ्त कौर समरा, विजया विनोद और आशी चौकसे की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में रजत पदक जीता और सिफ्त व्यक्तिगत स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में सिफ्त ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक दावेदारी से बाहर हो गईं। सिफ्त 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रहीं। सिफ्त फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गईं।

स्क्वाश : जोशना-सेंथिलकुमार ने जीता कांस्य

भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया तथा युवा सनसनी अनाहत सिंह ने जहां महिला एकल में जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं अभय सिंह भी पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहे। भारत की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। अनाहत ने यह मैच 9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3 से जीता और इस तरह से इसी साल के शुरू में जापानी खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुकता कर दिया।

अभय ने पाकिस्तान के इरफान को हराया

इसके बाद अभय ने पाकिस्तान के मोहम्मद इरफान को 3-0 (11-3 12-10 11-6) से हराकर पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया। अभय ने सेमीफाइनल में शानदार शुरुआत करते हुए पहले ही गेम में 5-2 की बढ़त बना ली और 35 मिनट तक चले मैच में अपनी इस लय को बरकरार रखा। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पाकिस्तान के खिलाड़ी ने दूसरे गेम में उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वह 2-0 की बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे।

बैडमिंटन : क्वार्टर फाइनल में उन्नति, आयुष और लक्ष्य बाहर

युवा स्टार उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बेहतरीन जीत दर्ज की और महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जबकि लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी शनिवार को एशियाई खेलों से बाहर हो गए। उन्नति ने मलेशिया की लिंग चिंग वोंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इसके बाद हरियाणा की 19 वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वरदानी पर 21-19, 21-13 की शानदार जीत दर्ज की और जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला तय किया।

क्वार्टर फाइनल में कपिल और प्रिया

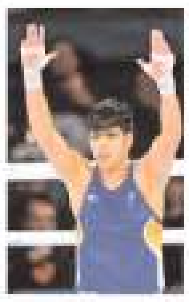

मुक्केबाज कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन जादूमणि सिंह (55 किग्रा) का सफर समाप्त हो गया। उत्तराखंड के कपिल ने ईरान के सैम पसाकी पर 5-0 की जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। प्रिया ने कोरियाई ओह येओजी पर सर्वसम्मत 5-0 की जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। जादूमणि पुरुषों के 55 किलो वर्ग में फिलीपीन के तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-5 से हार गए। पोखरिया ने शुरू से ही दबाव बनाकर पहले दौर में 4-1 की बढ़त बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के पसाकी को खुलकर खेलने नहीं दिया।

पुरुष हॉकी : जापान को हराकर सेमीफाइनल में टीम इंडिया

काकामिगाहारा। गत चैंपियन भारत ने शनिवार को पूल ए के कड़े मुकाबले में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती तीन पूल मुकाबलों में इंडोनेशिया को 13-1, बांग्लादेश को 16-1 और दक्षिण कोरिया को 8-2 से करारी शिकस्त दी थी। यह भारत की लगातार चौथी जीत थी, जिससे उसका अजेय अभियान जारी रहा।

खबर संक्षेप

दौड़ : प्राची ने 400 मीटर में जीता कांस्य

नागोया। प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ईरान की जहरा जाहेदे मनीजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय धाविका किरण पहल 53.41 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। प्राची ने अब अपना ध्यान चार गुणा 400 मीटर रिले पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतकर उन्होंने अपनी क्षमता साबित कर दी है। उन्होंने कहा, 'यह पदक मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि लोग लगातार मुझसे कहते रहे हैं कि मैं केवल रिले स्पर्धाओं में ही पदक जीत सकती हूं। आज मैंने साबित कर दिया है कि मैं व्यक्तिगत 400 मीटर स्पर्धा में भी पदक जीत सकती हूं, और वह भी एशियाई खेलों में।

कोहली 2027 में खेलेंगे आखिरी विश्व कप, रोहित का आया रिएक्शन

तिरुवनंतपुरम

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा, जिसमें खिताब जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह अपना सब कुछ झोंक देंगे। 37 साल के कोहली अब सिर्फ एक प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले अपने भविष्य को लेकर यह बात कही। अगले साल का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा।

निश्चित रूप से विश्व कप जीतना लक्ष्य : विराट

कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत की ओर से खेला जाने वाला आखिरी विश्व कप होगा और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ झोंक देना चाहता हूं। निश्चित रूप से लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

आज से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज

टूर्नामेंट की अपनी अलग चुनौती होती है : रोहित

39 वर्षीय रोहित ने कहा कि जब तक वह खेल रहे हैं, तब तक आगे हासिल करने के लिए कुछ न कुछ जरूर रहेगा। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में यह विचार कभी नहीं आएगा कि जो हासिल करना था, वह पूरा हो चुका है। जब तक आप खेल रहे हैं, आगे देखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। मैं विश्व कप और उसमें अपने लिए मौजूद संभावनाओं को लेकर उत्साहित हूं।' रोहित ने कहा कि विश्व कप या किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट की अपनी अलग चुनौती होती है, क्योंकि इसमें अलग-अलग टीमों और मैदानों पर खेलना पड़ता है। उन्होंने कहा, ' जब विश्व कप खेला जाता है या हम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में उतरते हैं, तो उसकी अपनी अनूठी चुनौती होती है। आपको अलग-अलग प्रतिद्वंद्वियों और अलग-अलग मैदानों पर खेलना होता है। इसलिए तैयारी भी अलग तरीके से करनी पड़ती है और सोचने का तरीका भी बदलना होता है। यही इसकी चुनौती है।'

भारत का तीरंदाजी में शानदार आगाज

ओकाजाकी सिटी

धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष रिकर्व और संचिता तनिपर्थी ने महिला

कंपाउंड व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल करने की बदौलत भारत ने शनिवार को एशियाई खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। हाल ही में विश्व कप फाइनल जीतने वाले विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज धीरज ने पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में 698 अंक जुटाकर नया एशियाई खेल क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले 36 प्रयास में में 348 और अगले 36 तीरों में 350 अंक हासिल किए।

इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण कोरिया के ली वू सियोंग के नाम था, जिन्होंने 690 अंक बनाए थे। सियोंग इस बार 690 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के किम जे दियोग 693 अंक के साथ दूसरे और चीनी ताइपे के चिन हुन तांग 692 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होगी भारत और अफगानिस्तान की टीम

नई दिल्ली

एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए।

लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है।

पहला क्वार्टर फाइनल 28 सितंबर को

पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

क्रिकेट

वनडे विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट आगे बढ़ा : शेफाली

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में शेफाली वर्मा ने अहम किरदार निभाया। शेफाली ने कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद से महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने अपने उस मुश्किल समय को भी याद किया, जब वह टीम से बाहर चल रही थीं।

शेफाली ने कहा, मुझे याद है जब हमने वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी तो हमने उसे उठाया था। उसके बाद से भारतीय महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। बीच में कई मुश्किलें भी आईं। हम कोशिश करेंगे कि आगे ऐसी मुश्किलें न आएं और देश का नाम रोशन करें।

टीम से बाहर करना सबसे दुखद पल

शेफाली वर्मा ने उस समय को भी याद किया, जब वह भारतीय टीम से बाहर चल रही थीं। उन्होंने कहा, जब मुझे टीम से बाहर किया गया, तो वह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल था। वह समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। टीम से बाहर रहने के दौरान मैंने कितनी मेहनत की, यह सिर्फ मुझे ही पता है। सबसे अच्छी बात यह रही कि मैंने सब कुछ स्वीकार कर लिया। हां, मैं टीम में नहीं हूं, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करनी है और इस समय का सही इस्तेमाल करना है। मुझे यह साबित करना था कि मैं सबसे अच्छी हूं। मैं अपने देश और अपनी टीम के लिए सबसे अच्छी हूं।

परिवार ही हमारे लिए सब कुछ

भारतीय सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, इसी कारण मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की। मैंने अपनी मानसिक सेहत, स्किल्स और फिटनेस पर काम किया। मुझे खुशी है कि उस समय मैंने सही फैसले लिए और खुद पर काम किया। मैंने खुद को किसी भी बुरी घटना या बातों का सामना नहीं करने दिया। मुझे लगता है कि आखिर में परिवार ही हमारे लिए सब कुछ है। जिस तरह से उन्होंने उस समय मेरा साथ दिया, उसके लिए उनका शुक्रिया। फिर जब हमने वनडे वर्ल्ड कप जीता, तो खुशी के आंसू आ गए।

दाएं पैर में इंजरी; मार्च में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला

हार्दिक फिर चोटिल, न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

नई दिल्ली

सीनियर हरफनमौला हार्दिक पंड्या को दाहिनी पिंडली में फिर चोट लग गई है, जिससे वह तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे और न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे से बाहर हो गए हैं।

पंड्या को 20 सितंबर को वापसी करनी थी और चयनकर्ताओं ने उन्हें आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला में भारत ए टीम में चुना था। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, ' यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हार्दिक के ताजा स्कैन में उनकी दाहिनी पिंडली में चोट का पता चला। उन्हें दो सप्ताह पूरी तरह से आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने जापान से लौटकर उनकी रिपोर्ट देखी और वह तय करेंगे कि रिहैबिलिटेशन कब से शुरू हो सकता है।'

तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलेंगे

22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड दौरा

न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को टी20 श्रृंखला से शुरू होगा, जिसके बाद वनडे श्रृंखला खेलनी है। अब तक हार्दिक की वापसी की समयसीमा नहीं है। समझा जाता है कि बीसीसीआई चाहता था कि हार्दिक टीम के साथ एशियाई खेलों में जाए और वीजा के लिए उनका पासपोर्ट भी लिया गया था। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा। उन्होंने ब्रेक लिया और फिटनेस सर्टिफिकेट हासिल करने ही वाले थे कि दर्द फिर उठ गया। स्कैन में चोट का पता चला। वह आईपीएल के बाद से बेंगलुरु में हैं और अब बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास कर रहे हैं।

विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि भले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

कवर स्टोरी
संध्या सिंह

आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई 'डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज' लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई 'स्लो लिविंग' के नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अक्सर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।

खान-पान में आत्मानुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम में भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे।

आज हम 'इंटरमिटेंट फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चश्मा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव थी। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।

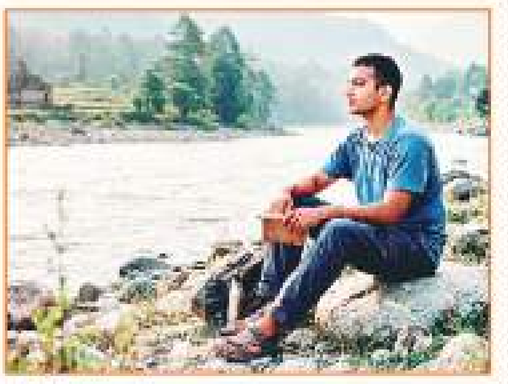

धीमी जिंदगी का आनंद

'स्लो लिविंग' का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज 'स्लो मॉर्निंग', 'माइंडफुलनेस' और 'माइंडफुल कुकिंग' जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की घर्र-घर्र में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेलनेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनकी मितव्ययता उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विराटता है, जो उन्हें महापुरुष बनाती है। ✻

विशेष: अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस
1 अक्टूबर

बुजुर्गावस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।

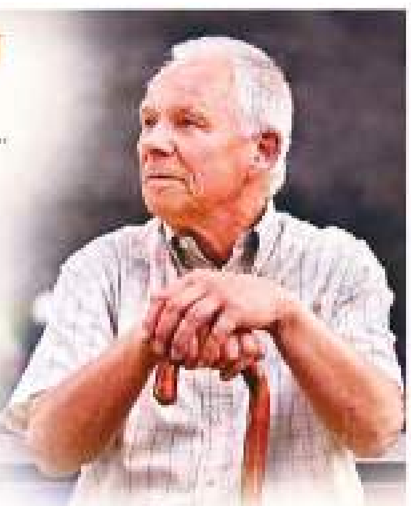

ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को 'सक्रिय वृद्धावस्था' की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

शारीरिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र के पुरुषों में एंड्रोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों का दर्द और हृदय संबंधी रोगों का जोखिम भी बढ़ता है।

'अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन' के अनुसार, सप्ताह में 2-3 बार हल्का वजन उठाना या बॉडीवेट एक्सरसाइज करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और मांसपेशियों का नुकसान रुकता है। भोजन में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की मात्रा बढ़ाएं। कार्बोहाइड्रेट कम करें और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर 'मेडिटेरेनियन डाइट' यानी साबुत अनाज, फल, सब्जियां अपनाएं। प्रतिवर्ष लिपिड प्रोफाइल, एचबीए1सी, बोन डेंसिटी टेस्ट और कैंसर स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराएं।

मानसिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में याददाश्त का कमजोर होना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसे अल्जाइमर या डिमेंशिया का जोखिम होता है। मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी में कमी आने लगती है। नई तकनीक या बदलावों को सीखने में मानसिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।

न्यूरो साइंस कहता है कि दिमाग को नई चुनौतियों में लगाने से नए न्यूरॉन्स बनते हैं। इसके लिए कोई नई भाषा सीखें, वाद्य यंत्र बजाएं या जटिल पहेलियां सुलझाएं। साथ ही रोज पर्याप्त क्वालिटी स्लीप लें। 'स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।

भावनात्मक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में अधिकांश लोग एंप्टी नेस्ट सिंड्रोम से जूझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोंस का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा 'इकिगाई' अपना सकते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुबह उठने का एक स्पष्ट उद्देश्य जैसे कोई हॉबी, बागवानी या समाज सेवा होता है, उनका जीवनकाल लंबा होता है और मन शांत रहता है।

सामाजिक समस्याएं-समाधान: हार्वर्ड के 85 साल लंबे चले एक अध्ययन ने साबित किया कि स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी, अकसर शारीरिक कष्टों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनरेशन गैप के कारण वे उपेक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक समूहों से जुड़ें। स्वैच्छिक सेवा करने से शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज होता है, जो सामाजिक जुड़ाव बढ़ाता है। साथ ही आधुनिक सोशल मीडिया टूल्स, वीडियो कॉलिंग एप्स और ऑनलाइन कम्युनिटीज को सीखें ताकि दूर रहने वाले परिवार और दोस्तों से लगातार जुड़े रह सकें।

अंत नहीं दूसरी पारी: आपको समझना होगा कि ओल्डएज जीवन का अंत नहीं, बल्कि 'सेकेंड इनिंग' है। इस चरण में आने वाली समस्याओं से डरने के बजाय अनुशासित, जागरूक दृष्टिकोण अपनाएं। ✻

(जनरल फिजीशियन डॉ. एल. सी. राठी, मनोविज्ञानी डॉ. आंचल मुरारका, डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

कविता
हेमधर शर्मा

मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है
जो पास हमारे होता है
वह उतना खास नहीं लगता
जितना महसूस चले
जाने पर होता है!
जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं
तो कष्ट-असुविधा भरी
जिंदगी लगती थी
पर सुविधा बढ़ जाने पर भी
क्यों समय सुहाना
वही पुराना लगता है!
कट जाए उम्र सुख-सुविधा में
हम यही कामना करते हैं
संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों
अंत निरर्थक लगता है!

व्यंग्य / मुकेश असीमित

सबसे आगे रहने का जुनून

एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।

हाल में एक स्मार्टफोन का नया वर्जन लॉन्च होने पर देश-विदेश में लोगों की लंबी लाइनें देखने को मिलीं। सबसे पहले पाने का जुनून देखने का काबिल था। सब कुछ सबसे पहले पाने के लिए, कुछ भी कर गुजरने का गुण हम जन्मजात लेकर आते हैं। हमें सबसे पहले पहुंचना, पाना, बताना, बांटना और लूटना भी है। सड़क पर हमारी प्रतिभा दिखाई देती है। एंबुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है। संभव हुआ तो उससे पहले यमलोक भी। लाल बत्ती उसके लिए आदेश नहीं, बुद्धि-परीक्षण है, देखें ट्रैफिक पुलिस और नियमों के बीच से कैसे निकला जा सकता है? ट्रैफिक जाम में उसका हाथ एक्सीलेरेटर पर वैसा फड़कता है, जैसे चेतक की लगाम पर महाराणा प्रताप का। हॉर्न उसका रणघोष है। सामने जगह न हो, वह हॉर्न से जगह पैदा करने में विश्वास रखता है। चिंता रहती है, दूसरे लोग अगली सदी में कहीं उससे पहले न पहुंच जाएं।

कार-वीर भी पीछे नहीं रहते। गति बढ़ाकर वह आगे निकलने को तत्पर रहते हैं। सामने वाला रास्ता न दे तो शीशा, बोनट और फुटपाथ, सभी वैकल्पिक मार्ग हैं। मंजिल कहां है, यह गौण है, बस 'कोई उससे आगे नहीं निकल जाए' यही उसका ध्येय होता है।

जहां कुछ मुफ्त बंट रहा हो, वहां हमारी गति अलौकिक हो जाती है। लंगर, प्रसाद, रेवड़ी, ज्ञान, तमाशा या झगड़ा, हम प्रथम पंक्ति में मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। डर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए।

अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चरित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसेप्शनिस्ट ने कहा, 'आप अकेले हैं, दिखा लीजिए।' वह बोला, 'थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया? विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।'

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है। भीतर वाला बाहर आने को बेचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले मैं-पहले मैं की 'तू-तू मैं-मैं' में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चा।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है। फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस की 'बाय-बाय' किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विदाई में वसूलना है।

बैंक, राशन, वॉशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा कतार से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांघकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बेचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, 'भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लेट जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।' संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लकड़ियों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों।

दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। ✻

शहीद भगत सिंह के विचार आज भी प्रासंगिक हैं

झांसी में शहीद भगत सिंह के नाम पर पार्क एवं आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए

लेखक — सत्येन्द्र पाल सिंह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, बुंदेलखंड क्रांति दल

(यंग भारत न्यूज)

शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिनका जीवन केवल साहस और बलिदान की कहानी नहीं, बल्कि अध्ययन, चिंतन, तर्क, सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। 28 सितंबर को उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें याद करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके जीवन और विचारों को समझें तथा नई पीढ़ी तक उनके विचारों को पहुंचाने का प्रयास करें।

भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को बंगा, जिला लायलपुर में हुआ था। उनका परिवार देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत था। बचपन से ही उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन का वातावरण देखा। जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। इस घटना ने उनके भीतर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष की भावना को और मजबूत किया। भगत सिंह केवल भावुक क्रांतिकारी नहीं थे। वे गंभीरता से अध्ययन करने वाले और निरंतर चिंतन करने वाले युवा थे। उन्होंने इतिहास, राजनीति, समाजवाद, अर्थव्यवस्था, दर्शन और विश्व के विभिन्न क्रांतिकारी आंदोलनों का अध्ययन किया। उनका मानना था कि किसी भी परिवर्तन के लिए केवल भावना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके पीछे मजबूत विचार और स्पष्ट उद्देश्य होना आवश्यक है।

क्रांति का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं

भगत सिंह के लिए क्रांति का अर्थ केवल अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना नहीं था। वे ऐसी सामाजिक व्यवस्था चाहते थे जिसमें शोषण और असमानता का अंत हो तथा मेहनतकश व्यक्ति को सम्मान और अधिकार मिले। उनके विचारों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तर्कशीलता और सामाजिक समानता का विशेष महत्व था। उनका प्रसिद्ध लेख 'मैं नास्तिक क्यों हूँ' उनके बौद्धिक और तार्किक चिंतन का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इससे स्पष्ट होता है कि भगत सिंह किसी भी विचार को केवल परंपरा के आधार पर स्वीकार करने के बजाय उसे तर्क और विवेक की कसौटी पर परखने में विश्वास रखते थे।

असेम्बली में बम फेंकने का उद्देश्य क्या था?

भगत सिंह के जीवन की सबसे चर्चित घटना 8 अप्रैल 1929 को दिल्ली की केंद्रीय विधान सभा में बम फेंकने की है। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने असेम्बली में बम फेंका और उसके बाद भागने के बजाय वहीं गिरफ्तार हो गए। इस घटना को केवल बम फेंकने की घटना के रूप में देखना भगत सिंह की रणनीति और विचार को समझने में भूल होगी। उस समय ब्रिटिश सरकार ऐसे कानूनों को आगे बढ़ा रही थी जिन्हें क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी शक्तियां दमनकारी मानती थीं। भगत सिंह और उनके साथियों का उद्देश्य इस कार्रवाई के माध्यम से ब्रिटिश शासन के सामने अपना विरोध दर्ज कराना और देश की जनता का ध्यान स्वतंत्रता तथा राजनीतिक अधिकारों के प्रश्न की ओर आकर्षित करना था।उनकी रणनीति का उद्देश्य किसी व्यक्ति की हत्या करना नहीं था। बम ऐसी जगह फेंके गए जहां जान-माल की क्षति कम से कम हो। इसके बाद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने भागने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने गिरफ्तारी दी, पर्चे बांटे और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाए।भगत सिंह की इस कार्रवाई के पीछे एक स्पष्ट संदेश था— यदि शासन जनता की आवाज नहीं सुनता, तो ऐसी प्रभावशाली कार्रवाई के माध्यम से उस आवाज को देश और दुनिया तक पहुंचाया जाए। उनके विचार को अक्सर इस वाक्य से व्यक्त किया जाता है कि 'बहरों को सुनाने के लिए धमाके की जरूरत होती है।' इसका अर्थ यह नहीं था कि हिंसा ही उनका अंतिम उद्देश्य था। बल्कि उनका उद्देश्य ब्रिटिश शासन और भारतीय जनता का ध्यान उस राजनीतिक संदेश की ओर आकर्षित करना था जिसे वे सामने रखना चाहते थे।

अदालत और जेल को भी बनाया विचारों का मंच

असेम्बली की घटना के बाद भगत सिंह के पास भागने का अवसर था, लेकिन उन्होंने जानबूझकर गिरफ्तारी दी। इसका कारण यह था कि वे अदालत को अपने विचारों को जनता तक पहुंचाने का मंच बनाना चाहते थे। जेल में भी उनका संघर्ष जारी रहा। भारतीय कैदियों के साथ होने वाले भेदभाव के विरोध में उन्होंने भूख हड़ताल की। इस संघर्ष में क्रांतिकारी जतिन दास की मृत्यु हो गई। इस घटना ने पूरे देश में ब्रिटिश शासन के प्रति आक्रोश को और बढ़ा दिया। भगत सिंह ने अपने जीवन के अंतिम समय तक अध्ययन और लेखन जारी रखा। जेल की कठिन परिस्थितियों में भी उनका मन विचारों और पुस्तकों में लगा रहा।

लाला लाजपत राय की मृत्यु और संघर्ष

1928 में साइमन कमीशन के विरोध में लाहौर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस लाठीचार्ज में लाला लाजपत राय गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। क्रांतिकारियों ने इसे ब्रिटिश दमन का परिणाम माना। इसके बाद पुलिस अधिकारी जेम्स ए. स्कॉट को निशाना बनाने की योजना बनाई गई, लेकिन पहचान की गलती से 17 दिसंबर 1928 को सहायक पुलिस अधीक्षक जॉन पी. सांडर्स की हत्या हो गई। इस घटना के बाद भगत सिंह भूमिगत हो गए। यह घटनाक्रम भी यह बताता है कि भगत सिंह का जीवन उस दौर के औपनिवेशिक दमन और उसके विरुद्ध चल रहे क्रांतिकारी संघर्ष से गहराई से जुड़ा था।

23 वर्ष की आयु में सर्वोच्च बलिदान

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को लाहौर षड्यंत्र मामले में फांसी की सजा सुनाई गई। 23 मार्च 1931 को तीनों महान क्रांतिकारियों को फांसी दे दी गई। भगत सिंह उस समय मात्र 23 वर्ष के थे। इतनी कम आयु में उन्होंने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध कर दिया कि किसी राष्ट्र का भविष्य केवल बड़े लोगों के हाथ में नहीं होता। यदि युवा पीढ़ी जागरूक, विचारशील और समर्पित हो, तो वह इतिहास की दिशा बदल सकती है।

आज के युवाओं के लिए भगत सिंह की प्रासंगिकता

आज भगत सिंह की जयंती पर हमें यह विचार करना चाहिए कि उनके जीवन से हम क्या सीख रहे हैं।भगत सिंह की तस्वीर लगाना, उनके नाम के नारे लगाना और उन्हें श्रद्धांजलि देना निश्चित रूप से सम्मान का विषय है, लेकिन उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब युवा उनके साहित्य को पढ़ेंगे, उनके विचारों को समझेंगे और अपने समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आज के युवाओं के सामने बेरोजगारी, शिक्षा, सामाजिक असमानता, आर्थिक विषमता, नशा, अंधविश्वास और अनेक सामाजिक चुनौतियां हैं। ऐसे समय में भगत सिंह का अध्ययन, तर्क, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय का विचार अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। युवाओं से मेरा आग्रह है कि वे भगत सिंह को केवल एक क्रांतिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक गंभीर विद्यार्थी, विचारक, लेखक और सामाजिक परिवर्तन के स्वप्नदृष्टा के रूप में पढ़ें। उनका संदेश था कि समाज को बदलने के लिए पहले स्वयं जागरूक होना पड़ेगा। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया की तात्कालिक लोकप्रियता से आगे बढ़कर पुस्तकों, इतिहास और विचारों से जुड़ना चाहिए।

झांसी में भगत सिंह की स्मृति को स्थायी रूप दिया जाए

झांसी की धरती स्वयं वीरता और बलिदान की गौरवशाली परंपरा की धरती है। महारानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस ने झांसी को देश के इतिहास में विशेष स्थान दिया है। ऐसी ऐतिहासिक नगरी में शहीद भगत सिंह की स्मृति को भी स्थायी रूप दिया जाना चाहिए। बुंदेलखंड क्रांति दल की ओर से मैं मांग करता हूं कि झांसी में शहीद भगत सिंह के नाम पर एक भव्य पार्क का निर्माण कराया जाए और पार्क में उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए। यह पार्क केवल एक स्मारक न हो, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा केंद्र बने। यहां भगत सिंह के जीवन, उनके लेखन, उनके विचारों तथा स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से संबंधित सामग्री प्रदर्शित की जाए, ताकि झांसी आने वाली नई पीढ़ियां अपने महान क्रांतिकारियों के जीवन और संघर्ष से परिचित हो सकें। झांसी में भगत सिंह के नाम पर पार्क और उनकी प्रतिमा की स्थापना केवल एक क्रांतिकारी की स्मृति का सम्मान नहीं होगा, बल्कि यह देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाली पूरी क्रांतिकारी परंपरा को सम्मान देने का कार्य होगा।

भगत सिंह को समझना ही सच्ची श्रद्धांजलि है

आज शहीद भगत सिंह की जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि उनके नाम को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा जाएगा। हम उनके विचारों को पढ़ेंगे, समझेंगे और समाज की नई पीढ़ी तक पहुंचाएंगे। भगत सिंह का जीवन हमें सिखाता है कि देशभक्ति केवल भावना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है; क्रांति केवल संघर्ष नहीं, बल्कि विचार है; और बलिदान केवल मृत्यु नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संदेश है। भगत सिंह का शरीर 23 वर्ष की आयु में देश के लिए बलिदान हो गया, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं। जब तक समाज में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने वाले लोग, सामाजिक परिवर्तन का सपना देखने वाले युवा और देश के प्रति समर्पण की भावना जीवित है, तब तक भगत सिंह प्रासंगिक रहेंगे।

शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

इंकलाब जिंदाबाद!

भारत माता की जय!

अधिकार नहीं मर्यादा और संस्कार बताएं

सच है ! एक बिटिया जन्म लेकर जब
घर में आती है
दूर करती है घर के आभाव संग सुख
समृद्धि लाती है
मां बहन पत्नी और मित्र अनगिनत
किरदार निभाती है
घर के आंगन को यही तो बन तुलसी
सा महकाती है
इसीलिए कहते हैं कि सारी कायनात
शीश झुकाती है
किन्तु आज इस व्यक्तित्व की
वास्तविकता देख नहीं पाती है वह बेटी
अपने संस्कृति संस्कारों को जब अग्नि
दिखाती है।
भस्म करती मान मर्यादा सभी दो
परिवारों की बलि चढ़ाती है
कभी फिंकवाती है खाइयों में तो
कभी ड्रम में चिनवाती है
आखिर ये कैसे अधिकार हैं जिन्हें
दुनिया अधिकार बताती है
कर रही मलिन पहचान अपनी तनिक
न करनी पर पछताती है

क्यों यह वास्तविकता आज एक
बेटी जान नहीं पाती है
बेटी दिवस की बधाईयों का दुनिया
बस झूठा शोर मचाती है. !

दोस्तों! आपके घर में बेटी हैं बड़े सौभाग्य की बात है उसे स्नेह दीजिए आशीष दीजिए उसकी प्रत्येक इच्छाएं पूरी कीजिए किंतु इन सभी के साथ उसे यदि आपके स्वयं के पास संस्कार एवं मर्यादित व्यवहार आचार विचार रुपी धन सम्पत्ति या विरासत है तो वो उसे अवश्य दीजियेगा जिसकी आज के समय परम आवश्यकता है। आज यदि एक बेटी इस विरासत से मालामाल होगी तो वह अपने घर परिवार पास पड़ोस समाज एवं राष्ट्र को प्रेरित करेगी उसकी अगली पीढ़ी तक यह विरासत हस्तांतरित होगी सोचिएगा जरा!

आपने अधिकार तो बताएं किंतु उसके लिए वह किससे लडती..! आज ग़लत सोच और विचारों के कारण मानसिकता दूषित हो चुकी है...!

माता पिता होने के नाते संतति हेतु अपना कर्तव्य पूर्ण ईमानदारी सजगता एवं संस्कारित एवं मर्यादित दृष्टिकोण रखकर निभाएं। दूषित धारणा और विचारधारा को अपनाने से पहले विचारें। तभी यह दिवस मनाना सार्थक है...

जय सियाराम जी की
ससीमाशर्मा 'तमन्ना'

खुला पत्र - समस्त क्षत्रिय-सवर्ण समाज के नाम

प्रिय साथियों, सनातन योद्धाओं,

रियासतें हमने दान दीं, अब हमारे साथ सियासत हो रही है।

75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हूँ, उम्र कम है इम्तिहान बहुत हैं। 1947 में हमारे पुरखों ने 565 रियासतें, खजाना, सेना बिना शर्त भारत माँ को दे दीं। महलों को म्यूजियम बना दिया गया, हमें क्या मिला 75 साल के छल-कपट के बाद अब समय आ गया है अपना बल दिखाने का।

इसीलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर मैंने दो ऐतिहासिक रैलियों का आह्वान किया है। टीम को स्थल तय करने का आदेश दे दिया गया है।

1. दिल्ली रैली - दिसंबर 2026 से पहले

विषय: 'रियासत से राष्ट्र तक - हमारा बलिदान, हमारा हक'

स्थान: जंतर-मंतर / रामलीला मैदान

हमारी 7 राष्ट्रीय मांगें:

1. रियासतों के विलय पर श्वेत पत्र: 565 रियासतों ने क्या-क्या दिया, उसका हिसाब दो। प्रिवी पर्स बहाली या क्षत्रिय विकास निधि स्थापित हो।

2. किसान आयोग व सम्मान निधि ?12000: अन्नदाता ही भाग्य विधाता है। क्षत्रिय + किसान एक हैं। हम क्क्ष भानू की मांग का पूर्ण समर्थन करते हैं।

3. EWS का सरलीकरण: जमीन-मकान की शर्त हटाओ। सिर्फ आय 8 लाख पर EWS दो, जैसे गुजरात-राजस्थान में है। 80% गरीब सवर्ण आज बाहर हैं।

4. आर्थिक आधार पर आरक्षण: जातिगत नहीं, आर्थिक आधार पर आरक्षण हो। 'सभी जातियां एक समान, मेरा हिंदुस्तान महान'

5. अग्निवीर में बदलाव: क्षत्रिय सबसे ज्यादा सेना में जाता है। 4 साल की नौकरी नहीं, पुरानी रेजिमेंटल परंपरा और पेंशन बहाल हो।

6. परिसीमन की न्यायिक जांच (1951-2026): देश में 131 लोकसभा और 1168 विधानसभा सीटें आरक्षित हैं। 75 साल में आबादी बदली, सीटें नहीं। नई जनगणना के साथ दोबारा परिसीमन हो।

7. स्ष्ट/स्त्र्ञ एक्ट के दुरुपयोग पर रोक: सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन हो। एफआईआर से पहले छ्स्क्क जांच, पॉलीग्राफ/ब्रेन मैपिंग टेस्ट हो। झूठा मुकदमा करने वाले पर दुगनी सजा और दुगना जुर्माना हो।

2. लखनऊ रैली - जनवरी 2027

विषय: '1980 में 139 थे, आज सिर्फ 47 रह गए - हमारा राजनीतिक अस्तित्व बचाओ'

स्थान: इको गार्डन / बड़ा मैदान

उत्तर प्रदेश की 5 मांगें:

1. राजनीतिक गिरावट पर श्वेत पत्र: UP विधानसभा में 1980 में 139 क्षत्रिय विधायक थे, आज 47 कैसे रह गए? टिकट क्यों काटे गए? इस अवसरवादी राजनीति की जांच हो।

2. योगी जी की जीरो टॉलरेंस का समर्थन, पर राजपूत उत्पीड़न बंद हो: फर्रुखाबाद में वक्फ माफिया साजिद इकबाल, जमशेद अब्बास गैंग ने राघवेंद्र सिंह राजू जैसे योद्धा पर फर्जी वक्फ केस किया, हत्या की साजिश की। सपा प्रवक्ता मनोज यादव ने ठाकुर समाज को गालियां दीं, हजरतगंज में एफआईआर पर जेल गया, फिर वही भाषा बोल रहा है। दो मंत्रियों और चार विधायकों ने पत्र लिखकर राघवेंद्र को सुरक्षा की मांग की, फिर भी न्याय क्यों नहीं? यदि कोई घटना घटी तो सरकार जिम्मेदार होगी।

3. UGC के सवर्ण विरोधी नियम वापस हों: त्र्ष्ट के नए नियमों से सवर्ण युवाओं का भविष्य खतरे में है। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा है, स्टे बरकरार है। सरकार तुरंत वापस ले।

4. किसान का स्थाई समाधान: गन्ना-गेहूं का MSP और आवारा पशुओं से मुक्ति। पश्चिम क्कऔर रुहेलखंड की 150 निर्णायक सीटों पर हमारा वोट तभी मिलेगा जब किसान की समस्या हल होगी।

5. क्षत्रिय कल्याण बोर्ड और छात्रावास: जैसे SC/ST आयोग है, वैसे सवर्ण गरीबों के लिए आयोग बने और हर मंडल में महाराणा प्रताप छात्रावास बने।

हमारी रणनीति:

मेरी अंतिम इच्छा है - देश के प्रत्येक राजपूताना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लोकसभा/विधानसभा चुनाव जरूर लड़ना चाहिए, तभी सदन में हमारी संख्या बढ़ेगी।

नारा एक ही - 'हिन्दुत्व बहुत बचा लिया, अब खुद को बचाओ - रील नहीं, रीयल'

आइए, मिलते हैं:

25 अक्टूबर, कल्याणपुर, कानपुर चलो - सनातन योद्धा सम्मेलन

यदि मेरे विचारों और क्षत्रिय एकता अभियान (खाड़ी से पहाड़ी तक) से सहमत हैं, तो इस पत्र को शेयर कर जन-जन तक पहुँचाएं।

जय भवानी, जय महाराणा, जय भारत

आपका,
कुंवर हरिवंश सिंह
पूर्व सांसद, प्रतापगढ़
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा
09702077777

द्वारा: पारस चौहान, राहुल - आईटी सेल चीफ, उत्तर प्रदेश

राघवेंद्र सिंह राजू का नाम नहीं, काम बोलता है

संघे शक्ति कलयुगे-

डॉ. संदीप सरावगी बोले- आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही बनेगा सुखी और खुशहाल समाज

मऊरानीपुर में ब्रह्माकुमारीज के आध्यात्मिक कार्यक्रम में उमड़ा श्रद्धा और संस्कृति का संगम

(यंग भारत न्यूज)

मऊरानीपुर। प्रांतीय मेला जल विहार के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, मऊरानीपुर शाखा द्वारा 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा खुशहाल जीवन का निर्माण' विषय पर एक भव्य, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक चिंतन, सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मानवीय मूल्यों का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का तिलक, बैज एवं पट्टा पहनाकर आत्मीयता और गरिमापूर्ण ढंग से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजयोगी बीके प्रकाश, डायरेक्टर ब्रह्माकुमारीज कल्याणपुर, कानपुर तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार भगवती प्रसाद सागर ने की। मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति की आत्मा सेवा, सम्मान, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना में निहित है। उन्होंने कहा कि 'बहनों का सम्मान करना मेरा परम कर्तव्य है और समाज सेवा करना मेरा परम धर्म है। ब्रह्माकुमारीज की बहनों द्वारा समाज में आध्यात्मिक चेतना, आत्मिक शांति और मानवीय मूल्यों के प्रसार के लिए किया जा रहा कार्य अत्यंत सराहनीय है।' उन्होंने कहा कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में मनुष्य भौतिक सुविधाओं के बीच कहीं न कहीं मानसिक शांति की तलाश कर रहा है। ऐसे समय में आध्यात्मिक ज्ञान व्यक्ति को स्वयं से परिचित कराता है और उसके भीतर सकारात्मकता, संयम तथा करुणा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि सुख केवल साधनों से नहीं, बल्कि संतुलित विचारों, पवित्र भावनाओं और सेवा की भावना से जन्म लेता है। डॉ. सरावगी ने ब्रह्माकुमारीज संस्था के आध्यात्मिक एवं सामाजिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यदि समाज में प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प ले, तो परिवार से लेकर समाज तक वातावरण को अधिक शांतिपूर्ण और खुशहाल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंत्री भगवती प्रसाद सागर जी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान से मिलने वाला आनंद और शांति जीवन की अमूल्य निधि है। उन्होंने कहा कि गलत ढंग से अर्जित किया गया धन व्यक्ति को वास्तविक सुख-शांति नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि समय और संकल्प में अपार शक्ति होती है। प्रत्येक व्यक्ति को सभी के लिए शुभभावना और दुआ रखनी चाहिए, चाहे सामने वाला उसका विरोधी ही क्यों न हो। सुख और शांति का वास्तविक आधार पवित्रता है। उन्होंने आत्मा के आध्यात्मिक पोषण की तुलना शरीर के दैनिक भोजन से करते हुए परमात्मा की याद और ज्ञान को जीवन का आवश्यक आधार बताया तथा ब्रह्माकुमारीज के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि राजयोगी बीके प्रकाश भाई जी, डायरेक्टर ब्रह्माकुमारीज कल्याणपुर कानपुर ने मेला जल विहार के आध्यात्मिक अर्थ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल जीवन का आधार है और जल विहार हमें जीवन की निरंतरता एवं परिवर्तन की ओर भी संकेत करता है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन एक सतत प्रक्रिया है, जो निरंतर चलती रहती है। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल रहना है तो परमात्मा का स्मरण और सकारात्मक चिंतन आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित लोगों को कानपुर स्थित एंजेल वर्ल्ड देखने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों ने गीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से 'मोबाइल एक नशा है' विषय पर प्रस्तुत नृत्य-नाटिका ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। प्रस्तुति के माध्यम से मोबाइल के बढ़ते दुरुपयोग और उसके कारण जीवन में उत्पन्न हो रही समस्याओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। नगर पालिका अध्यक्ष शशि श्रीवास ने ब्रह्माकुमारी बहनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये बहनें समाज में आध्यात्मिक चेतना और सत्य ज्ञान का प्रकाश फैलाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि परमात्मा से जुड़कर मानव जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होता है। इस दौरान कल्याणपुर प्रभारी बीके उमा दीदी, कल्याणपुर विकास नगर से बीके नीलम दीदी, ब्रह्माकुमारीज गांव गार्डन कानपुर की प्रभारी बीके ज्योति बहन ने परमात्मा के गीत एवं आध्यात्मिक संदेश प्रस्तुत किए। गुरसराय केंद्र प्रभारी बीके कविता दीदी एवं बरुआसागर केंद्र प्रभारी बीके उमा दीदी ने भी अपने मन के उद्गार व्यक्त किए। कार्यक्रम की संयोजिका राजयोगिनी बीके चित्रा दीदी ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी इसी प्रकार आध्यात्मिक आयोजनों में सहभागिता करते रहें और मानवता के कल्याण के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रदान करते रहें। कार्यक्रम का संचालन निवाड़ी केंद्र प्रभारी बीके रचना दीदी ने किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं ने बूथों पर सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

'मन की बात' से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर : सुधीर सिंह

झांसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें संस्करण का रविवार को झांसी महानगर के विभिन्न बूथों एवं शक्ति केंद्रों पर भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से श्रवण किया। शिवाजी नगर मंडल के तालपुरा शक्ति केंद्र स्थित बूथ संख्या 225 पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री जी का संबोधन सुना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 138वें संस्करण में सर्जिकल स्ट्राइक के 10 वर्ष पूर्ण होने, आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति, जनगणना को राष्ट्रीय जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्त युवा अभियान, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, पोषण अभियान और स्थानीय उत्पादों सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। उन्होंने पूर्व विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंघल जी की जन्मशती पर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। प्रधानमंत्री ने 'नशामुक्त युवा अभियान' को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने की अपील की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में किए जा रहे जनभागीदारी के प्रयासों का उल्लेख किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशभर के नागरिकों को समाज और राष्ट्रहित में सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती की वास्तविक नींव बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता से तैयार होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने, बूथ समितियों को सक्रिय रखने, प्रत्येक बूथ पर कार्यकारिणी की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने तथा निरंतर जनसंपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। सुधीर सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ता आधारित संगठन है और प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका से ही संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के राष्ट्र निर्माण के संदेश को बूथ स्तर तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के पश्चात आयोजित बूथ स्तरीय बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, मतदाता सूची पुनरीक्षण और आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी विचारों को सुनकर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और सेवा भाव का संचार हुआ।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718